श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 215, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 01 सितंबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

मदरसों पर सख्त असम सरकार, चला बुलडोजर

गुवाहाटी: असम के बोंगाईगांव में बुधवार को प्रशासन ने एक और मदरसा ढहा दिया। आरोप है कि इस मदरसे का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा रहा था। कबैतरी पार्ट-4 गांव में बने मरकाजुल मा-आरिफ कुआरियाना मदरसे को गिराने के लिए कई बुलडोजर बुलाए गए थे। इलाके में बड़ी संख्या में सैन्य बल भी तैनात किया गया था। असम में हाल ही में इमाम और मदरसे के शिक्षकों समेत 37 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इन पर आरोप था कि ये आतंकी संगठनों अल कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम से जुड़े हैं। इनकी गिरफ्तारी के बाद से ही प्रशासन मदरसों को गिराने की कार्रवाई कर रहा है। इससे पहले प्रशासन ने 4 और 29 अगस्त को दो और मदरसे गिराए थे।

सालों की मेहनत को एक दिन में उजाड़ रही सरकार: बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि मदरसे बनाने में 20-30 साल लगते हैं, लेकिन सरकार एक दिन में बुलडोजर चलाकर गिरा रही है। राज्य में लाखों स्कूल है और क्या स्कूल में कोई व्यक्ति अपराधी होगा, तो स्कूल को गिरा दिया जाएगा।

दो मंजिला मदरसे में 224 छात्र लेते थे तालीम: मदरसा गिराए जाने से पहले मंगलवार रात को 224 छात्रों को दो मंजिला इमारत से निकाला गया। ऐसी खबरें थीं कि धार्मिक शिक्षकों के भेष में कुछ आतंकी राज्य में घुस आए हैं और राज्य विरोधी गतिविधियों में लगे हैं। 30 अगस्त को गोलपारा पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाकर यहां से कई अहम दस्तावेज बरामद किए थे। बोंगाईगांव एसपी स्वप्ननील देका के मुताबिक जिला प्रशासन ने 30 अगस्त को एक आदेश जारी करके कहा था कि मदरसा की इमारत कभी भी गिर सकती है। इन्हें तय मानकों के हिसाब से नहीं बनाया गया था इसलिए इसमें लोगों का बैठना खतरनाक है।

असम सीएम ने कहा था- आतंक का हब: सोमवार यानी 29 अगस्त को असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि मदरसों को आतंकियों के ट्रेनिंग हब के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। इन मदरसों में शिक्षा की बजाय आतंक की ट्रेनिंग दी जा रही है।

दो मदरसे पहले ही ढहाए जा चुके हैं: 29 अगस्त को राज्य सरकार ने बरपेटा जिले के ढाकलीपारा इलाके में शेखुल हिंद महमुदुल हसन जमुइल हुदा इस्लामिक एकेडमी मदरसे को ढहाया था। इस मदरसे में भी आतंकी गतिविधियों को संचालित करने का आरोप था। साथ ही यह अवैध रूप से सरकारी जमीन पर बनाया गया था।

वहीं 4 अगस्त को सारुल्लाह बांग्ला और अदक्र संगठन से कनेक्शन के आरोप में प्रशासन ने पहली बार कार्रवाई की थी। प्रशासन ने इसके संचालक मुस्तफा को पहले गिरफ्तार किया, फिर उसके निजी मदरसे को बुलडोजर चलाकर गिरा दिया था।

असम में 2 साल से मदरसों को लेकर विवाद: असम में 2020 में पहली बार राज्य सरकार ने मदरसों का अनुदान बंद कर दिया।

उस वक्त हिमंत बिस्वा सरमा राज्य के शिक्षा मंत्री थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अनुदान बंद होने की वजह राज्य में 2 साल में करीब 800 मदरसे बंद हो गए। हालांकि 1000 से ज्यादा निजी मदरसे अब भी चल रहे हैं। इनका संचालन ऑल असम तंजीम मदारिस कौमिया करती है।

जून तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 13.5% रही, पिछली तिमाही में ये 4.1% थी

तेज हुई अर्थव्यवस्था की रफ्तार

नई दिल्ली: सरकार ने 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही (जून तिमाही) में ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी जीडीपी के आंकड़े बुधवार को जारी किए। मिनिस्ट्री ऑफ स्टैटिस्टिक एंड प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक जून तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 13.5% रही है। पिछले साल की समान तिमाही में ये 20.1% थी। देश की विकास दर पिछली यानी जनवरी-मार्च तिमाही की तुलना में काफी बेहतर रही। पिछली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ रेट 4.1% थी। जून तिमाही में जीडीपी ग्रोथ) 18.1% से घटकर 12.7% हो गई।

चालू वित्त वर्ष के लिए 7.2% ग्रोथ का अनुमान: आरबीआई ने इस महीने की शुरूआत में अपनी मौद्रिक नीति संबंधी बैठक में कहा था कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ रेट करीब 16.2% रहने की संभावना है। आरबीआई ने जी23 के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7.2% पर बरकरार रखा।

जीडीपी क्या है?-जीडीपी इकोनॉमी की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सबसे कॉमन इंडिकेटर्स में से एक है। जीडीपीढ़ देश के भीतर एक स्पेसिफिक टाइम पीरियड में प्रोड्यूस सभी गुड्स और सर्विस की वैल्यू को रिप्रजेंट करती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं, उन्हें भी शामिल किया जाता है। जब इकोनॉमी हेल्दी होती है, तो आमतौर पर बेरोजगारी का लेवल कम होता है।

दो तरह की होती है जीडीपी: जीडीपी दो तरह की होती है। रियल जीडीपी और नॉमिनल जीडीपी रियल जीडीपी में गुड्स और सर्विस की वैल्यू का कैलकुलेशन बेस ईयर की वैल्यू या स्टेबल प्राइस पर किया जाता है। फिलहाल जीडीपी को कैलकुलेट करने के लिए बेस ईयर 2011-12 है। यानी 2011-12 में गुड्स और सर्विस के जो रेट थे, उस हिसाब से कैलकुलेशन। वहीं नॉमिनल जीडीपी का कैलकुलेशन करेंट प्राइस पर किया जाता है।

जीडीपी की घट-बढ़ के लिए जिम्मेदार कौन

जीडीपी को घटाने या बढ़ाने के लिए चार इम्पॉर्टेंट इंजन होते हैं। पहला है, आप और हम। आप जितना खर्च करते हैं, वो हमारी इकोनॉमी में योगदान देता है। दूसरा है, प्राइवेट सेक्टर की बिजनेस ग्रोथ। ये जीडीपी में 32% योगदान देती है। तीसरा है, सरकारी खर्च। इसका मतलब है गुड्स और सर्विसेस प्रोड्यूस करने में सरकार कितना खर्च कर रही है। इसका जीडीपी में 11% योगदान है। और चौथा है, नेट डिमांड। इसके लिए भारत के कुल एक्सपोर्ट को कुल इम्पोर्ट से घटाया जाता है, क्योंकि भारत में एक्सपोर्ट के मुकाबले इम्पोर्ट ज्यादा है, इसलिए इसका इम्पैक्ट जीडीपी पर निगेटिव ही पड़ता है।

अरहर, उड़द, मसूर के लिए खरीद सीमा बढ़ाने को मंजूरी

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने उड़द और मसूर की खरीद सीमा को बढ़ाने की मंजूरी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को मूल्य समर्थन योजना के तहत अरहर, उड़द और मसूर की खरीद की सीमा को बढ़ा दिया। साथ ही अपने बफर स्टॉक से राज्यों को रियायती दरों पर 15 लाख टन चना देने की भी मंजूरी प्रदान कर दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में उक्त फैसले लिए गए। सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति यानी सीसीईए की बैठक में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बफर स्टॉक से रियायती दरों पर 15 लाख टन चना वितरति करने के लिए मंजूरी प्रदान की गई। माना जा रहा है कि सरकार के इस फैसले से किसान दलहनी फसलों के उत्पादन की ओर आकर्षित होंगे। आधिकारिक बयान के मुताबिक केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मूल्य समर्थन योजना के तहत तुअर, उड़द और मसूर की खरीद सीमा को मौजूदा 25 फीसद से बढ़ाकर 40 फीसद करने का फैसला किया है।

अब आनंद शर्मा ने दिखाएं बगावती तेवर

नई दिल्ली: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के पार्टी छोड़ने के बाद एक और सीनियर लीडर आनंद शर्मा भी बगावती मूड में दिख रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश से आने वाले शर्मा ने बुधवार को पार्टी के मेनिफेस्टो प्रोग्राम से किनारा कर लिया। वे इसमें शामिल नहीं हुए। इससे पहले शर्मा ने 21 अगस्त को हिमाचल कांग्रेस की संचालन समिति के अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया था। हालांकि तब उन्होंने कहा था कि वे विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के लिए वोट जरूर मांगेंगे।

आजाद से दो बार मिल चुके शर्मा: गुलाम नबी आजाद के कांग्रेस छोड़ने के बाद पिछले 5 दिनों में शर्मा उनसे दो बार मिल चुके हैं। मंगलवार को आनंद शर्मा और भूपिंदर सिंह हुड्डा आजाद से मिलने पहुंचे थे। तीनों के बीच करीब 2 घंटे तक बातचीत हुई। इससे पहले, आनंद शर्मा 27 अगस्त को आजाद से मिलने उनके सरकारी आवास गए थे।

कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सवाल उठाया: 28 अगस्त को सीडब्ल्यूसी की बैठक में आनंद शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सवाल उठाया था।

पवार ने फिर की विपक्षी एकता की वकालत

मुंबई: राकांपा ने एक बार फिर विपक्षी एकता की वकालत की है। उनका कहना है कि मोदी सरकार के खिलाफ सभी को एक साथ आना होगा। एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत सभी को एक साथ आने और मोदी सरकार का मुकाबला करने के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के तहत एक साथ चुनाव लड़ने पर विचार कर सकते हैं। इससे पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर निशाना साधा था।

स्वदेशी हेलिकॉप्टर रुद्र रखेगा पाक बॉर्डर पर रखेगा नजर

जोधपुर: देश के सबसे बड़े और ताकतवर जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर स्वदेशी अटैकर हेलिकॉप्टर रुद्र की तैनाती होने वाली है। लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर की जोधपुर में तैनात होने वाली यह देश की पहली स्क्वाड्रन होगी। यह एयरफोर्स वर्जन की पहली स्क्वाड्रन होगी। गत जून में सेना को इसकी स्क्वाड्रन मिल चुकी है। आगामी 8 अक्टूबर को एयरफोर्स डे पर 10 हेलिकॉप्टर हिंदुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड से मिलने वाले हैं। इससे पश्चिमी सीमा की हवाई ताकत बढ़ेगी। पांच साल पहले स्वदेशी एडवांस लाइट हेलिकॉप्टर की पहली स्क्वाड्रन जोधपुर में तैनात हुई थी। इसकी खासियत यह है कि ये भारत-पाक बॉर्डर और भारत-चीन बॉर्डर पर नजर रखेगा। ये सियाचिन की चोटी पर लैंड कर सकता है। इसमें फ्रंट में गन भी लगी है।

चीन की हरकतों पर विराम लगाने में करेगा मदद: 1 जून को भारतीय सेना ने बेंगलुरु में लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर का पहला स्क्वॉड्रन बनाया। बताया जा रहा है कि अगले साल इसे और बढ़ाया जाएगा, ताकि एलएसी पर चीन की गतिविधि पर नजर रख सके और उनकी हरकतों पर विराम लगा सके। सेना के मुताबिक वो अभी 95 छउल्ह और खरीदेगी। इनकी सात यूनिट्स बनाई जाएंगी। जिनमें से सात पहाड़ी इलाकों पर तैनात की जाएंगी। रुद्र की रफ्तार अधिकतम 268 किमी प्रतिघंटा है और रेंज 550 किलोमीटर है। यह हेलीकॉप्टर लगातार 3 घंटे 10 मिनट की उड़ान भर सकता है। अधिकतम 6500 फीट की ऊंचाई तक जा सकता है। इसमें 20` की गन होती है, जो हवा से हवा में और हवा से जमीन पर हमला कर सकती है।

दिल्ली के एलजी आप नेताओं के खिलाफ करेंगे कानूनी कार्रवाई

नई दिल्ली आम आदमी पार्टी (आप) के उन विधायकों पर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना कानूनी कार्रवाई करने जा रहे हैं जिन्होंने उनपर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। बीते सोमवार को आप के कुछ विधायकों ने विधानसभा में कहा था कि उपराज्यपाल ने खादी ग्रामोद्योग के अध्यक्ष पद पर रहते हुए 1400 करोड़ रुपये का घोटाला किया था। बुधवार को उपराज्यपाल कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार आप विधायकों के इस आरोप पर उपराज्यपाल कानूनी कार्रवाई करेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एलजी आप विधायक सौरभ भारद्वाज, आतिशी, दुर्गेश पाठक और जैस्मीन शाह सहित कुछ और नेताओं पर कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं । उल्लेखनीय है कि सोमवार को विधानसभा में आप नेताओं ने एलजी को भ्रष्ट कहा था।

एक ही मंच पर नजर आए सीएम नीतीश और केसीआर

पटना: तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव 2020 में गलवान घाटी में शहीद हुए भारतीय सैनिकों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने के लिए आज बिहार की राजधानी पटना पहुंचे। केसीआर के पटना पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। केसीआर ने पटना में राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात भी की।

राव सीएम नीतीश के साथ राष्ट्रीय एजेंडों पर की चर्चा: सीएम नीतीश से मुलाकात के दौरान राव देश में वर्तमान और भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति पर चर्चा हुई। दोनों नेता साल 2024 में होने वाले आगामी लोकसभा चुनाव के मुद्दे पर भी चर्चा की। इस बीच तेलंगाना के सीएम के.चंद्रशेखर राव ने कहा कि नीतीश जी के साथ बातचीत हुई और एक बात पर सहमति बनी कि किसी भी प्रकार से बीजेपी की सरकार को देश से बाहर करना है। 8 साल से नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने हुए हैं लेकिन हर सेक्टर में देश का विनाश हो रहा है, देश के सभी लोग परेशान हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार से पहले रुपये का इतना अवमूल्यन कभी नहीं हुआ। किसानों को एक साल से अधिक समय तक विरोध क्यों करना पड़ा। केंद्र की विफलताओं के कारण देश को हर क्षेत्र में नुकसान उठाना पड़ा। यह शर्म की बात है कि सत्तारूढ़ दल कहता है कि वे अन्य सभी राजनीतिक दलों को खत्म कर देंगे। तेलंगाना सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार के नाकामियों की वजह से देश का काफी नुकसान हुआ है और जो राज्य अपने जगह पर खड़े होकर अच्छा काम कर रहे हैं उन्हें करने नहीं दिया जा रहा है क्या इसका जवाब केंद्र सरकार के पास है? मोदी जी का खुद का वादा था कि 2022 तक हर गरीब का अपना मकान होगा..क्या ये सफल हुआ? उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार से धर्म के नाम पर लोगों को और समाज को तोड़ने का काम किया जा रहा है तथा एक अच्छे भारत को खराब करने का जो प्रयास हो रहा है तो ये देश को कहां ले जाएगा? इसलिए देश की अर्थव्यवस्था खत्म और रुपए का मूल्य गिर गया है आदि। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार एक वरिष्ठ नेता हैं। हम उनके साथ मिलकर विपक्ष को एकजुट करने का प्रयास करेंगे।

राव शहीद सैनिकों के प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये सौंपे: तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव बिहार के सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के साथ गलवान घाटी में जान गंवाने वाले भारतीय सैनिकों के परिवारों और हाल ही में एक आग दुर्घटना में मारे गए 12 बिहार श्रमिकों के परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की।

विधानसभा चुनावों की तैयारी: हर राज्य में मोदी ही होंगे भाजपा का स्टार चेहरा

नई दिल्ली: आगामी चुनावों को लेकर भाजपा ने कमर कस ली है। 2023 तक होने वाले सभी विधानसभा चुनाव सामूहिक नेतृत्व में लड़ेगी। रणनीति के मुताबिक किसी भी राज्य में मुख्यमंत्री का नाम प्रोजेक्ट नहीं किया जाएगा। हालांकि, मौजूदा मुख्यमंत्रियों को चुनाव जीतने के बाद भी सीएम बने रहने का मौका मिल सकता है। इस साल के आखिर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव हैं। जबकि अगले साल कर्नाटक, त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने हैं। हिमाचल, गुजरात, त्रिपुरा और मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है। पिछले दिनों संसदीय बोर्ड के पुनर्गठन के बाद आला नेताओं की इस बात पर सहमति बनी कि सत्तारूढ़ राज्यों के नेतृत्व को लेकर सत्ता-विरोधी रुझान हैं। संगठन स्तर पर आपसी तालमेल की कमी है। ऐसे में मौजूदा मुख्यमंत्रियों के नेतृत्व में चुनाव लड़ने के विकल्प से बचने की जरूरत है। एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने बताया कि, मौजूदा मुख्यमंत्रियों की भी यही राय है कि विधानसभा चुनाव में सिर्फ पीएम का चेहरा होना चाहिए। केंद्र की योजनाओं का सत्तारूढ़ राज्य सरकार की तरफ से बेहतर डिलिवरी का नैरेटिव सेट करना चाहिए। राज्यों के मतदाताओं को यह संदेश देना चाहिए, मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बेटर चॉइस है। पार्टी के एक महासचिव ने कहा, सामूहिक नेतृत्व का मतलब यह नहीं है कि सत्ता में आने पर सीएम बदला जाएगा। हो सकता है कि मौजूदा सीएम को दोबारा मौका दिया जाए, जैसा गोवा या उत्तराखंड में हुआ।

जहां विपक्ष में भाजपा, वहां भी मोदी का ही चेहरा: जिन राज्यों में भाजपा विपक्ष में है वहां भी पार्टी मोदी के चेहरे के साथ सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। सूत्रों का कहना है कि पार्टी के आंतरिक सर्वे में कोई मौजूदा सीएम ऐसा नहीं है जिसकी लोकप्रियता 25 फीसदी से ऊपर हो, जबकि पीएम मोदी की लोकप्रियता का ग्राफ 75 फीसदी से ऊपर है।

मनी लॉन्ड्रिंग: जैकलीन फर्नांडीज को समन जारी

मुंबई: मनी लॉन्ड्रिंग केस में जैकलीन फर्नांडीज की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस मामले में बुधवार को दिल्ली की पटियाला कोर्ट ने सुनवाई की। इसके बाद एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज को समन जारी करते हुए 26 सितंबर को अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। हाल ही में ईडी ने इस केस में जैकलीन को भी आरोपी बनाया था। वहीं, 12 सितंबर को दिल्ली पुलिस भी एक्ट्रेस से पूछताछ करेगी।

कैसे आया केस में सुकेश का नाम: जैकलीन फर्नांडीज और सुकेश रिलेशन में थे। इनकी कई प्राइवेट फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं, जिसके बाद ईडी ने जैकलीन से पूछताछ की और दोनों की फोटोज को सबूत के रूप में रखा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी का मानना है कि जैकलीन को शुरू से पता था कि इस केस के मख्य आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ठग है और वह जबरन वसूली करने वाला है। सुकेश ने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर्स की पत्नियों से 200 करोड़ रुपए वसूले थे। ईडी की पूछताछ में जैकलीन ने सुकेश के साथ रिलेशन की बात मानी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस ने पूछताछ में बताया कि उसने सुकेश से करोड़ों के रुपए के गिफ्ट लिए थे। सुकेश ने उसे डायमंड रिंग देकर प्रपोज किया था। इस रिंग में जे और एस बना हुआ था। सुकेश ने एक्ट्रेस को एस्पुएला नाम का एक 50 लाख का घोड़ा और 9-9 लाख रुपए की बिल्लियां गिफ्ट की थीं।

खबर संक्षेप

अनुवां जल निगम टंकी की मोटर जलने से सप्लाई बंद

जंघई। क्षेत्र के अनुवां, नेदुला, जंघई में अस्सी के दशक में पूर्व मंत्री स्व. राजेन्द्री वाजपेयी व श्याम सूरत उपाध्याय के प्रयास से जलनिगम की तीन पानी की टंकी बनवाई गई थी और अंडर ग्राउंड पाइप डालकर क्षेत्र के दर्जनों गांवो में कनेक्शन देकर घर घर पानी की सप्लाई की जाती थी। लेकिन जल निगम की पाइप वर्षों पुरानी होने के कारण सड़कों एवं जमीन के नीचे चोक होने के साथ साथ सड़ कर टूट गई है जिसकी वजह से सप्लाई बंद है कुछ गाँव में दूषित पानी की सप्लाई हो रही है। लापरवाही व रख रखाव के अभाव एवं मरम्मत न होने से जलनिगम की मोटर, ट्रांसफार्मर अक्सर खराब हो जाता है। सप्लाई बंद होने से इन दिनों लोगों में आक्रोश है लेकिन उपरोक्त समस्याओं का निदान नजर नही आ रहा है जनप्रतिनिधि या सरकारी नुमाइंदा इन जनसमस्याओं से रूबरू ही नही होना चाहता जिसके कारण ग्रामवासी अपने को असहाय समझते है कि अपनी समस्या के क्रियान्वयन हेतु किसके पास जाए बार बार जलनिगम के कर्मचारियों को मरम्मत हेतु प्रार्थना पत्र दिया जाता है लेकिन कार्यवाही नही होती। क्षेत्र के अनुवां, भेलखा, जंघई, पिलखिनी, झारी, भुलेंद्र, बघेड़ी, चौका, पतवां, जलालपुर, नेदुला, रस्तीपुर, बजती, चम्पापुर, चनेथू, महरछा, हरिपुरपट्टी आदि गाँवो मे पानी की सप्लाई बिल्कुल बंद है।

प्रयागराज में डेंगू के बढ़ते प्रकोप को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

अखंड भारत संदेश

अस्पतालों में अगल से की गई वार्ड की व्यवस्था, योगी सरकार ने हर जिले के अधिकारियों को दिया है कड़ा निर्देश, अस्पतालों की सुविधाओं को देखकर मरीजों के तीमारदार दिखे संतुष्ट

वार्ड में मच्छरदानी के अंदर लेटा डेंगू मरीज

प्रयागराज। शहर में बाढ़ के बाद लोगों की मुश्किलें कम नहीं हुई। अब संगम नगरी प्रयागराज में डेंगू के मामले भी तेजी से सामने आने शुरू हो गए। अब तक संगम नगरी में एलाइजा टेस्ट में डेंगू के 9 मामले सामने आये हैं। सीएमओ के मुताबिक डेंगू की चुनौती से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं।

सीएमओ के मुताबिक तेज बहादुर सप्रू बेली अस्पताल में 35 बेड, मोतीलाल नेहरू मंडलीय अस्पताल कल्विन में 25 बेड और एसआरएन अस्पताल में 40 बेड का आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है। प्रयागराज जिले के बीस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 10-10 बेड के आइसोलेशन वार्ड डेंगू के मरीजों के लिए बनाए गए हैं। उनके मुताबिक इसके साथ ही दवाइयों का भी प्रबंध किया गया है। सीएमओ के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग की टीमें फागिंग और दवाइयों का छिड़काव कर रही है। प्रयागराज में डेंगू की दस्तक के बाद जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरीके से अलर्ट है। डेंगू के मरीज बढ़ने पर सबसे ज्यादा प्लेटलेट्स कमी की बात सामने आती है। इसको लेकर प्रयागराज के सीएमओ के मुताबिक डेंगू के मरीजों में प्लेटलेट्स कम होने की समस्या आती है। इसके लिए भी स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। डेंगू से निपटने के लिए दवाइयों का पूरा इंतजाम किया गया है। इसके साथ ही प्लेटलेट्स की जरूरत पड़ने पर ब्लड बैंक को तैयार रहने को कहा गया है।? सीएमओ ने लोगों से अपील की है कि डेंगू का एडीज मच्छर साफ पानी में पनपता है, इसलिए लोग अपने आस पास पानी जमा न होने दें। इसके साथ ही घर में कूलर,टायर और गमले में पानी जमा न होने दें। अगर में कहीं पानी जमा है तो केरोसीन तेल डाल दें। ताकि मच्छर के लार्वा न पनपने डॉक्टर शारदा चौधरी कहना है कि पाएं। प्रयागराज के तेज बहादुर सप्रू अस्पताल की सीएमएस डॉ शारदा चौधरी का कहना है कि सरकार के निदेशों के अनुसार डेंगू वार्ड का गठन कर दिया गया है। पूरे अस्पताल परिसर में तीन अलग-अलग जगह वार्ड बनाए गए हैं। आज की तारीख तक 4 मरीज डेंगू वार्ड में अपना इलाज करवा रहे हैं जिसमें से एक कि रिपोर्ट पॉजिटिव है जबकि तीन की रिपोर्ट आना बाकी है। सीएमएस शारदा चौधरी का कहना है कि सभी मरीजों का बेहद खास तरीके से ख्याल रखा जा रहा है हर वार्ड में कि हर बेड पर मछरदानी लगाई गई है साथ ही साथ दिन भर में कई बार डॉक्टर निरीक्षण पर भी जाते रहते हैं। उधर सुल्तानपुर से आया एक मरीज भर्ती है उनके परिजनों का कहना है कि मरीज को देखने के लिए अस्पताल प्रशासन का अच्छा सहयोग मिल रहा है। प्रयागराज के सोराव इलाके से आया एक मरीज भी डेंगू की चपेट में है। मरीज के परिजनों का कहना है कि 3 दिन पहले ही तबीयत खराब हुई जिसके बाद ब्लड जांच कराया गया जिसमें मरीज की प्लेटलेट काफी कम आयी और अब अस्पताल में भर्ती कराया गया है।गौरतलब है कि प्रयागराज में आई बाढ़ के बाद अब जलस्तर तेजी से कम हो रहा है। जलस्तर कम होने से कई तरह की बीमारियां भी पनपती हैं और इसी को लेकर के सरकार ने सख्त निर्देश दिया है कि अधिकारी डेंगू जैसी बीमारी को लेकर के अपने ज़िलों में सावधानी बरतें । प्रयागराज में अधिकारी लगातार बैठक भी कर रहे हैं। सीएमओ ने भी सख्त निर्देश दिए हैं कि हर अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में बेड आरक्षित हो साथ ही हर मरीज का अच्छे से इलाज हो।

न्यूज झरोखा

सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने शोकाकुल परिवार से मिल जताया शोक

शंकरगढ़। गंगा-यमुना में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों से मिलने और उन्हें राहत सामग्री प्रदान करने के लिए क्षेत्र में आई रीता बहुगुणा जोशी ने शोकाकुल परिवार से भी मुलाकात की और गहरी संवेदना व्यक्त की। रीता जोशी ने कहा, क्षेत्र के प्रत्येक परिवार से उनका घर-परिवार जैसा संबंध है. क्षेत्र में किसी का भी निधन उनकी व्यक्तिगत क्षति होती है। बुधवार को सांसद डॉ रीता जोशी शंकरगढ़ पहुंची और विगत दिनों नगर के वरिष्ठ समाजसेवी स्व.रामसनेही गुप्ता के पुत्र मनोज गुप्ता (55) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।बता दें कि विगत दिनों मनोज गुप्ता का निधन हार्ट अटैक से हो गया था।सांसद ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की।इस मौके पर संत प्रसाद पांडेय, संतोष त्रिपाठी, दिनेश तिवारी, चतुर्भुज दास गुप्ता, रामखेलावन गुप्ता,सुधा गुप्ता,ई.अशोक कुमार गुप्ता, अनूप केसरवानी, चंद्रमणि मिश्र, मसूरिया दीन वर्मा, सुजीत केसरवानी, संजय गुप्ता, अतुल गुप्ता, रतन केसरवानी, जय केसरवानी, सतीश विश्वकर्मा शोकाकुल परिवार में राजेश केसरवानी, विपिन कुमार आदि मौजूद रहे।
इसके बाद सांसद रीता बहुगुणा जोशी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शंकरगढ़ खंड कारवाह नरेंद्र गुप्त के आवास पर गई और शोक व्यक्त किया। बता दें कि नरेंद्र गुप्ता की माता का देहांत हो गया था।

जंघई जंक्शन बना जहरखुरानों का अड्डा, लगातार यात्रीगण हो रहे शिकार

जंघई। महानगरों से अपने घरों को आने वाले यात्रियों को प्रयागराज एवं जंघई जंक्शन के बीच या स्टेशन के इर्द गिर्द जहरखुरानी करने वाले निशाना बना रहे हैं। जिस पर पुलिस कोई अंकुश नहीं लगा पा रही है।यह सिलसिला कई वर्षों से चला आ रहा है लेकिन पुलिस इन पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। चनेथू गांव निवासी संगमलाल पांडेय पुत्र रामचंद्र पांडेय कामायनी एक्सप्रेस से मुंबई से जंघई आ रहे थे प्रयागराज से गाड़ी चली तो जहरखुरानों के चक्कर में फंसकर अपना सब सामान पैसा मोबाइल गंवा बैठे।जंघई स्टेशन पर बेसुध हालत में मिले तो आने जाने वाले की भीड़ में किसी ने उन्हें पहचाना तो परिजनों को सूचित किया।

असवा हाजीगंज में 2 सितंबर को मनाई जाएगी भगवान बलराम की जयंती

कोरांव विधायक राजमणि कोल व विधान परिषद सदस्य निर्मला पासवान करेंगी शिरकत

रत्योरा। भारतीय किसान संघ के बैनर तले 2 सितंबर को असवा उर्फ हाजीगंज सोरांव में भगवान बलराम की जयंती मनाई जाएगी। जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कोरांव भाजपा विधायक राजमणि कोल जहां शिरकत करेंगे, वही अति विशिष्ट अतिथि के रूप में विधान परिषद सदस्य निर्मला पासवान भी शामिल होंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में भोला सिंह प्रांत मंत्री भारतीय किसान संघ काशी प्रांत एवं उर्मिला सिंह प्रांत महिला प्रमुख काशी एवं महा नारायण सिंह पटेल जिला अध्यक्ष प्रयागराज भी जयंती समारोह में शामिल होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में मनस्वी सिंह जिला उपाध्यक्ष प्रयागराज एवं अंबिका प्रसाद सिंह जिला कोषाध्यक्ष समारोह को संबोधित करेंगे। जयंती समारोह की अध्यक्षता ब्लाक प्रमुख सोरांव प्रदीप कुमार करेंगे। कार्यक्रम संयोजक अंतिमा सिंह पटेल ब्लॉक अध्यक्ष सोरांव एवं सहसंयोजक अशोक कुमार विश्वकर्मा ने संघ के सभी पदाधिकारियों कार्यकताओं एवं क्षेत्रीय लोगों से भारी संख्या में पहुंचकर समारोह को सफल बनाने की अपील की है।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर तीन सितंबर को

सहसों। सामाजिक कार्य से ओतप्रोत युवा डेवलपमेंट वेलफेयर सोसाइटी सहसों के तत्वावधान मे तीन सितंबर दिन शनिवार को श्री शम्भू नाथ एण्ड सन्स फामेर्सी मेडिकल स्टोर सहसों बाईपास पर डॉ उमेश सिंह नेत्र सर्जन एवं डॉ पीके पाल की टीम द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच के उपरान्त निःशुल्क दवाएं भी दी जाएंगी। उक्त जानकारी शिविर संयोजक विपिन केसरवानी ने दी है।

मेडिकल कॉलेज परिसर में महिला ने फांसी लगाकर दी जान

डॉक्टर के घर चोरी के मामले में आया था नाम

प्रयागराज। महिला डॉक्टर के घर हुई चोरी के मामले में आरोपी महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। वह मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज परिसर में रहती थी। इससे परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का कहना है कि महिला का दिमागी संतुलन काफी दिनों से ठीक नहीं चल रहा था,इसी के चलते उसने ऐसा कदम उठाया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।जार्जटाउन थाना क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज परिसर में रहने वाली छाया यादव (40) ने बुधवार की सुबह फांसी लगाकर जान दे दी। कुछ दिन पहले महिला चिकित्सक डॉ. कचनार वर्मा के घर चोरी के मामले में महिला को आरोपी बनाया गया था। पुलिस कई दिनों से उसके ऊपर दबाव बना रही थी। महिला ने अपना जुर्म भी कुबूल कर लिया था। पुलिस के मुताबिक उसकी निशानदेही पर चोरी का माल भी बरामद कर लिया गया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों ने पुलिस को लिखकर दे दिया है कि छाया यादव का मानसिक संतुलन ठीक नहीं चल रहा था।

मऊआइमा में गौवंश का अवशेष मिलने से मचा हड़कंप

मऊआइमा। मऊआइमा के शारदा सहायक नहर के निकट एक खेत में गौवंश के अवषेष मिलने से कोहराम मच गया। उच्च अधिकारी मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों को शांत किया गया। तथा अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की सुरागरसी कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बांकाजलालपुर निवासी मानता पटेल पुत्र स्व बाबूलाल का खेत शारदा सहायक नहर के निकट है।बताते हैं कि बुधवार को वह जब खेत गए तो उनके खेत में गौवंश के तीन पैर ,अवशेष देख कर वह ग्रामीणों को बताए जिसपर काफी लोग एकत्रित हो गए। और बवाल काटने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस के हाथ पांव फूल गए। भारी संख्या में फोर्स और उच्च अधिकारी मौके पर पहुंच कर मामले को शांत कराए। तथा घंटों ग्रामीणों से पूछा गया कि यह हरकत किसकी हो सकती है। सभी ने किसी के ऊपर शंका नहीं जाहिर की। पुलिस ने गौवंश के तीनों पैर और कुछ अवशेष को बरामद कर जमीन में दफना दिया। तथा सब इंस्पेक्टर संजय मौर्या ने मऊआइमा थाने में अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में सुरागरसी कर रही है।

खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता टीम को प्रमुख ने किया पुरस्कृत

अखंड भारत संदेश

खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान करते प्रमुख कौंधियारा इंद्र नाथ मिश्र

करछना। तहसील के कौंधियारा ब्लाक में आयोजित युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग प्रयागराज के तत्वाधान में खंड स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन मोतीलाल डिग्री कॉलेज कौंधियारा में आयोजित किया गया जिसमें 17 टीम के खिलाड़ियों ने खेल का प्रदर्शन किया जिसके मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख कौंधियारा इंद्र नाथ मिश्र एवं विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी मीना कुमारी ने प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के आयोजक बीओ संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया जिसमें 800 मीटर बालक दौड़ में मुकेश कुमार यादव प्रथम, शिव प्रकाश पटेल द्वितीय विनोद कुमार चौधरी तृतीय ,एवं 4 सौ मीटर बालक दौड़ में कृष्णा का प्रथम ,शिवम कुशवाहा द्वितीय, भीम द्विवेदी तृतीय स्थान पर रहे, 16सौ मीटर बालक दौड़ में मुकेश कुमार यादव, शिव प्रकाश पटेल, विनोद कुमार चौधरी उत्कृष्ट हुए 100 मीटर बालक में अंशु यादव प्रथम, राहुल द्वितीय, पवन कुमार तृतीय स्थान पर रहे बालिका वर्ग 200 मीटर में हिमानी प्रथम, साधना प्रजापति द्वितीय, प्रियांशी केसरवानी तिसरे स्थान पर रही, बालिका 400 मीटर में संध्या शुक्ला प्रथम, साधना प्रजापति द्वितीय, शिल्पा तृतीय स्थान पर रहे बालिका वर्ग 800 मीटर में सौम्या शुक्ला प्रथम मानसी द्वितीय से आयुषी ओझा तृतीय स्थान पर रही लंबी कूद में हिमांशु मिश्रा रमेश मिश्रा प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहे प्रतिभागियों को कबड्डी प्रतियोगिता में कैथी प्रथम, एवं कौंधियारा द्वितीय स्थान पर रहे खेलकूद प्रतियोगिता में आई हुई सभी टीमों को अच्छा प्रदर्शन करने पर मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

शुक्रवार को आयोजित होगी ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता

सहसों। प्रादेशिक विकास दल एवं जिला युवा कल्याण द्वारा ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन जिला स्तरीय व्यायाम प्रशिक्षक राहुल कुमार मौर्य की देखरेख में दो सितंबर को जगबंधनपुर गांव की बाग में आयोजित किया गया है। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक प्रवीण पटेल एवं विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख सहसों गीता सिंह द्वारा किया जाएगा। विकास खण्ड अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में 100 मीटर, 200 मीटर, 800 मीटर तथा 1500 मीटर की दौड़, कबड्डी, वालीबाल एवं कुश्ती प्रतियोगिता के अतिरिक्त गोला फेंक, भाला फेक, ऊंची कूद, लंबी कूद एवं भारोत्तोलन स्पर्धाए होंगी। प्रतियोगिता में विकास खंड के सभी ग्राम पंचायत के इच्छुक प्रतिभागी टीमें स्पधाओं में दो सितंबर शुक्रवार को सुबह आठ बजे जगबंधनपुर बाग में अपना पंजीकरण कराकर भाग ले सकते हैं।

बाढ़ प्रभावित गांवों में करछना विधायक ने बांटी राहत सामग्री

अखंड भारत संदेश

करछना। तहसील क्षेत्र के गंगा एवं टोंस नदियों में बाढ़ से दर्जनों गांव चपेट में आ जाने से बड़ी संख्या में बाढ़ प्रभावित लोगों को जरूरत की चीजें मुहैया कराने के लिए विधायक करछना पीयूष रंजन निषाद ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी ,भाजपा जिला उपाध्यक्ष पंडित त्रिवेणी प्रसाद पांडेय व प्रधान प्रतिनिधियों के नेतृत्व में क्षेत्र के प्रभावित गांव कटका, मेडरा, बसही, लटकहा गांव में कैंप लगाकर प्रभावित परिवारों को खाने पीने की चीजें वह वस्तुओं का पैकेट किट प्रदान किया गया जिससे प्रभावित लोग को राहत मिल सके विधायक करछना पीयूष रंजन ने कहा कि करछना क्षेत्र की जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने देंगे तथा प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया इस मौके पर संतोष मिश्रा,अजय सिंह, लक्ष्मी शंकर पांडे उर्फ नन्हे प्रमोद तिवारी ,प्रदीप त्रिपाठी उर्फ पप्पू ,रिंकू सिंह राज कुमार मिश्रा, उप जिलाधिकारी करछना रेनू सिंह क्षेत्रीय लेखपाल व प्रधान प्रतिनिधि वह गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पीड़ितों की सहायता करना सपा का धर्म : नरेन्द्र सिंह

सिरसा। प्रयागराज मेजा विधानसभा समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, निवर्तमान प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह ने मेजा क्षेत्र मे आई बाढ़ से प्रभावित गांवों मे बाढ़ पीड़ितों की सहायता हेतु दस किलो का राशन किट प्रदान किया। नरेन्द्र सिंह ने बुधवार को मेजा क्षेत्र के बरसैता, बगहा, चौकी,अमिलिया खुर्द गांवों मे जाकर बाढ़ से प्रभावित परिवारों से मिलकर उन्हें आटा, चावल, दाल, तेल, मसाला, बिस्कुट, मोमबत्ती सहित दैनिक जीवन की उपयोगी सामग्रियों का थैला प्रदान किया। उपस्थित लोगों से व्यवहारिक बात करते हुए सपा नेता नरेन्द्र सिंह ने कहा कि हम सबके नेता सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी की सोच है कि हर सपा कार्यकर्ता, हमेशा हर पीड़ित और जरुरतमंद का साथी बनकर खड़ा रहे,यही सपा का धर्म है।अपने नेता के इसी सोच के अनुपालन मे हम आपके बीच आपके मुसीबत मे आपका साथी बनने आए हैं।नरेन्द्र सिंह ने यह भी कहा कि पूर्ववर्ती सपा सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बाढ़ की विभीषिका को रोकने के लिए तटवर्ती इलाकों मे बांध बनाने का निर्णय लिया था,जिसकी शुरुआत भी हो चुकी थी। लेकिन दुर्भाग्य है कि वर्तमान भाजपा सरकार आम जनता के तकलीफों से मुंह चुराते हुए केवल बाजे-गाजे मे मस्त है। नरेन्द्र सिंह ने उपरोक्त गांवों के 160 बाढ़ पीड़ितों को आवश्यक तथा राशन सामग्री का थैला प्रदान किया। इस अवसर पर उनके साथ ग्राम प्रधान बगहा श्रीमती सुनीता सिंह, भोला पाल, हिमांशु कुमार सिंह एडवोकेट, अरविंद यादव, राम अचल निषाद एडवोकेट, राजेश तिवारी बाबा, सिद्धार्थ सिंह,पारस निषाद,मुकुन्द लाल निषाद, अरविंद कुशवाहा सहित अन्य कई लोग मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत गलुआबाद गांव के सामने सोमवार की रात 8 बजे के करीब कोहडार वाया रामपुर मार्ग पर ड्यूटी कर अपनी मोटरसाइकिल से घर के लिए लौटते समय क्षेत्र के कैथी गांव निवासी ऋषि राज पांडे 35 वर्ष पुत्र मुकेश कुमार पांडे को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार कर मौके से फरार हो गया था। वही टक्कर इतना भीषण था कि मोटरसाइकिल दो टुकड़ों में बटकर ऋषिराज गंभीर रूप से घायल हो गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल व्यक्ति को जिले के अस्पताल में उपचार के लिए भेज दिया था। जिसकी बुधवार सुबह के वक्त उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद स्वजनों में कोहराम मच गया है। मुकेश पांडे घर पर रहकर खेती किसानी का काम करते हैं। उनके दो बेटा व एक बेटी में ऋषिराज पहले नंबर का लड़का था।

बीआरसी में धूल फांक रही किताबें!

शासन के आदेश की स्थानीय स्तर पर उड़ाई जा रहीं धज्जियां, दो माह बाद भी पूरा नहीं हो सका पुस्तकों का वितरण

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। जुलाई के बाद अब अगस्त का महीना भी बीत गया है। पढ़ाई-लिखाई का एक चौथाई समय भी गुजर चुका है। बच्चे खाली बैग लेकर स्कूल आ-जा रहे हैं। शासन की तरफ से बच्चों को पढ़ने के लिए भेज गई किताबें बीआरसी के कमरों की शोभा बढ़ा रही हैं। यमुनापार के विकास खंड शंकरगढ़ की हालत यह है कि बहुत से विद्यालय के बच्चों को किताबों का दर्शन भी नहीं हुआ और जहां पुस्तकों का वितरण हुआ, वहां भी आधा-अधूरा किया गया है। विकास खंड शंकरगढ़ के लालापुर, नीबी, जोरवट, बसहरा, आमगोंदर, सुरबल, नौढ़िया उपरहार, गोल्हैया में आधी-अधूरी किताबें बांटी गई हैं। जबकि लोहरा, सीधटिकट समेत अन्य विद्यालयों में किताबें पहुंची ही नहीं हैं। विकास खंड शंकरगढ़ में औसतन 40 फीसद बच्चों तक ही किताबें पहुंच पाई हैं। जबकि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जुलाई में ही निशुल्क पुस्तकों की डिलिवरी बीआरसी तक करवा दी थी। इसके बावजूद सभी न्याय पंचायतों तक किताबों की पहुंच सुलभ नहीं करवाई जा सकी। विकास खंड शंकरगढ़ में बेसिक के कुल 168 विद्यालय हैं। इसमें 45 कंपोजिट विद्यालय (कक्षा एक से आठ तक, एक ही परिसर में) हैं। जबकि 102 प्राथमिक और 21 उच्च प्राथमिक विद्यालय हैं। पुस्तकों का वितरण नहीं हो पाने पर खंड शिक्षा अधिकारी शैलपति यादव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि कई संकुलों में किताबें पहुंचा दी गई हैं। सिर्फ सुरबल और लोहरा में पुस्तकें नहीं पहुंच पाई हैं। ऐसा किताबों की अनउपलब्धता के कारण हो रहा है, जैसे-जैसे किताबें मिल रही हैं, उन्हे गंतव्य तक पहुंचाया जा रहा है। बीईओ ने कहा कि बच्चों की शिक्षा से किसी भी प्रकार के खिलवाड़ की इजाजत नहीं दी जा रही है। जिन स्कूलों में किताबे नहीं पहुंच पाई हैं, वहां भी संबंधित क्लास के ही पाठ्यक्रम बच्चों को पढ़ाए जा रहे हैं, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न होने पाए। दूसरी बीआरसी शंकरगढ़ की बात करें तो यहां के कमरे किताबों से भरे हुए हैं। जमीन पर किताबों का ढेर लगा हुआ है। जिसे देखकर पुस्तक वितरण अभियान का आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है।

बाढ़ में फंसे बेघर परिवारों को पूर्व विधायक नीलम करवरिया ने बांटी राहत सामग्री

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। तहसील क्षेत्र में इन दिनों बाढ़ काकहर जारी है। बाढ़ की कहर से सैकड़ों परिवार बेघर हो गए हैं। ऐसे में सरकार और समाजसेवी पीड़ितों की मदद रहने खाने की व्यवस्था में लगे हैं। मंगलवार को कोना गाँव मे उप जिलाधिकारी मेजा विनोद कुमार पांडेय और पूर्व विधायक नीलम करवरिया ने सरकार द्वारा भेजी गई राशन सामग्री को वितरित किया। श्रीमती नीलम करवरिया ने कहा किवरिया ने कहा कि भाजपा की योगी सरकार हर परिस्थिति में आम जनता के साथ खड़ी है किसी को कोई दिक्कत नहीं होने पाएगी।श्रीमती करवरिया ने तहसील प्रशासन से कहा कि आप लोग बराबर नजर रखें कहीं कोई दिक्कत न हो प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को राशन किट मिलनी चाहिए। इस दौरान कुल 50 राशन किट का वितरण किया गया। इस मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र, ई नित्यानंद उपाध्याय, विजयकांत मिश्र, जिला पंचायत सदस्य देशराज सिंह, विनय शुक्ल, राहुल दुबे, मनीष पाण्डेय, भुट्ट काजी, धीरज दुबे, शैलेश पाण्डेय सहित लेखपाल रहे।

डग्गामार बस चालको से अफसरों का हुआ तू तू मैं मैं

सिविल लाइंस बस स्टैंड से सवारी बैठाने पर दो बस सीज 7 का चालान

डग्गामार वाहनों को चेक करते अधिकारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सिविल लाइंस बस स्टैंड पर डग्गामार बस चालक हावी हैं दर्जनों की संख्या में यहां प्राइवेट बसों का संचालन हो रहा है बुधवार को जब परिवहन विभाग के अधिकारियों ने सख्ती बरती तो बस चालक एकजुट हो गए और अधिकारियों से विवाद करने लगे। अधिकारियों के साथ बस चालकों व संचालकों ने तू तू मैं मैं कर लिया । सिविल लाइंस बस स्टैंड के एआरएम सीबी राम ने बसों से अवैध रूप से बस स्टैंड के पास से बसों का संचालन करने पर दो बसों को सीज कर दिया गया है जबकि 7 बसों का चालान किया गया है बता दें कि सिविल लाइंस बस स्टैंड पर प्राइवेट बस चालक बिना किसी परमिट के मनमानी तरीके से यात्रियों को बैठ आते हैं और ज्यादा किराया वसूलते हैं ।

बस स्टैंड से 1 किमी के अंदर नहीं बैठा सकते सवारी : एआरएम सी बी राम बताते हैं कि बिल्कुल अस्पष्ट नियम है कि सरकारी बस स्टैंड से 1 किलोमीटर के अंदर प्राइवेट बस सवारी नहीं बैठा सकते हैं लेकिन यहां तो बस स्टैंड के गेट पर ही बड़ी संख्या में प्राइवेट बसें खड़ी की जाती है और बनारस जौनपुर प्रतापगढ़ जैसे शहरों को जाने वाले यात्रियों को बैठाया जाता है । सीबी राम ने बताया कि इससे यात्रियों को असुविधा होती है उन्होंने यात्रियों से भी अपील की है कि अधिकृत बस से ही सुरक्षित यात्रा करें ।

राष्ट्रीय राज्य मार्ग पर चलने की अनुमति नहीं : दरअसल जो प्राइवेट बसें होती हैं उन्हें राष्ट्रीय राज्य मार्ग पर चलने की अनुमति नहीं होती है। वह ठेका परमिट लेकर ही राष्ट्रीय राज्य मार्ग पर चल सकते हैं। यहां तो बिना किसी परमिट के मनमाने ढंग से प्राइवेट बसें संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह अभियान आए दिन चलेगा जो गलत ढंग से बस स्टैंड के आसपास अपनी प्राइवेट बसें लेकर सवारी बैठ आते हुए पाया जाता है उन बसों को सीज कर दिया जाएगा। इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी है।

सिविल लाइंस बस डिपो के समीप प्राइवेट टैक्सी स्टैंडओं का लगता है जमघट

प्रयागराज। सिविल लाइंस थाना अंतर्गत रोडवेज बस स्टैंड के समीप प्राइवेट टैक्सियों का जमघट लगा रहता है जो आए दिन सवारियों को लेकर एक दूसरे टैक्सी मालिकों के बीच काफी बहस भी होता है । आपको बताते चलें कि रोडवेज बस स्टैंड से करीब 500 मीटर दूरी पर प्राइवेट टैक्सी संचालकों का इस कदर जमावड़ा होता है जैसे सरकारी मशीनरी के तहत संचालकों को प्राइवेट टैक्सी खड़ी करने की अनुमति मिल गई हो । हालांकि प्रशासनिक अधिकारियों की तरफ से ऐसा कोई आदेश नहीं है कि सरकारी बस स्टैंड के समीप इस तरह प्राइवेट टैक्सी या प्राइवेट बसों का जमावड़ा लगाया जाए । मगर टैक्सी मालिकों के द्वारा जबरजस्ती एक सम्मानित पार्टी का झंडा लगाकर धौस दिखाते हुए स्टैंड के बगल लग्जरी गाड़ियों का लाइन लगा रहता है । कहीं न कहीं रोडवेज को प्रतिदिन इन प्राइवेट टैक्सी मालिकों की वजह से प्रतिदिन हजारों का चूना लग रहा है।

राज्य मंत्री ने की अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

प्रयागराज। राज्य मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उत्तर प्रदेश बलदेव सिंह औलख जी द्वारा बुधवार को सर्किट हाउस में कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। वर्षा की कमी के दृष्टिगत प्रयागराज मण्डल में धान के क्षेत्राच्छादन लक्ष्य 378362 हेक्टर के सापेक्ष 355708 हेक्टर (94.0) क्षेत्र में क्षेत्राच्छादन हुआ है। मण्डल में कुल क्षेत्राच्छादन लक्ष्य 570341 हेक्टर के सापेक्ष 552593 हेक्टर (96.89 प्रतिशत) क्षेत्राच्छादन हुआ है। मंत्री जी द्वारा कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि खाली क्षेत्रों में तोरिया, बाजरा, सब्जी इत्यादि फसलों की बुआई कराकर शत-प्रतिशत क्षेत्राच्छादन कराया जाए। संयुक्त कृषि निदेशक, प्रयागराज मण्डल डा0 आर0के0 मौर्य द्वारा अवगत कराया गया कि प्रयागराज मण्डल में माह जून,जुलाई,अगस्त की सामान्य वर्षा 653.56 मिमी0 के सापेक्ष अब तक 323.82 मिमी0 वर्षा (49.5 प्रतिशत) हुयी है। जनपद प्रयागराज में सामान्य वर्षा 664.93 मिमी0 के सापेक्ष 293.25 मिमी0 (44.1प्रतिशत, कौशाम्बी में सामान्य वर्षा 664.93 मिमी0 के सापेक्ष 164.51 मिमी0 (24.74 प्रतिशत ,फतेहपुर में सामान्य वर्षा 619.81 मिमी0 के सापेक्ष 289.60 मिमी0 (46.72 प्रतिशत एवं प्रतापगढ़ में सामान्य वर्षा 664.57 मिमी0 के सापेक्ष 547.92 मिमी0 (82.45 प्रतिशत वर्षा हुयी है। जनपद कौशाम्बी में सबसे कम वर्षा हुयी है। मंत्री जी द्वारा कंटीजेन्ट प्लान के अनुसार फसल आच्छादन कराये जाने के निर्देश दिए गए। उप कृषि निदेशक, प्रयागराज विनोद कुमार द्वारा मंत्री जी को अवगत कराया गया कि मेजा, बारा तहसील का कुछ भू-भाग असिंचित है, शेष भूभाग में सिंचाई की पर्याप्त सुविधा है। नहरें रोस्टर के अनुसार चल रही है। वर्षा की कमी से जनपद में सूखे की स्थिति है। इसको ध्यान में रखकर रणनीति तैयार कर कार्यवाही की जा रही है। कृषि विभाग के सभी क्षेत्रीय कार्मिकों एवं बीमा कम्पनी के प्रतिनिधियों को समन्वय कर क्षेत्र का निरन्तर सर्वे करने एवं फसल क्षति की स्थिति में क्षतिपूर्ति हेतु नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। बैठक में मंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत ई-केवाईसी एवं भूलेख सत्यापन की समीक्षा में निर्देश दिए गए कि इस कार्यक्रम को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से सम्पादित कराया जाए। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न हो। विकास खण्ड स्तर, तहसील स्तर एवं जनपद स्तर पर प्रतिदिन इसकी मानीटरिंग की जाए। जिला कृषि अधिकारी सुभाष मौर्य द्वारा बताया गया कि जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। कृषकों को कृषि निवेशों की कमी नहीं होने दी जाएगी। मंत्री जी द्वारा विभाग में संचालित योजनाओं का क्रियान्वयन शासनादेश के अनुरूप सुनिश्चित कराए जाने तथा भूमि संरक्षण अनुभाग की खेत तालाब योजना, पं0 दीन दयाल उपाध्याय किसान समृद्वि योजना में समस्त कार्य योजना की गाइड लाइन के अनुसार समयबद्व तरीके से कराने तथा लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए गए।

दुर्वासा आश्रम दर्शन करने आया अधेड़ गंगा में डूबा

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के ककरा दुबावल स्थित दुवार्षा घाट पर गंगा नहाने आया फूलपुर का एक अधेड़ डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाल पीएम के लिए भेजा। फूलपुर के ज्वालापुर निवासी अशोक कुमार दुबे 40 पुत्र स्व. रविंद्र नाथ दुबे अपने साथी बिंदू दुबे पुत्र पुरषोत्तम दुबे के साथ बुधवार को सरायइनायत थाना क्षेत्र के दुवार्सा आश्रम पर दर्शन व गंगा स्नान करने आया था। दोपहर में गंगा स्नान के दौरान अशोक गंगा में डूब गया साथी बिंदू ने शोर मचाया मौके पर लोगो की भीड़ जमा हो गई। तभी सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस भी आ गई। चार गोताखोरों की मदद से अशोक को बाहर निकाला गया तब तक उसकी मौत हो गई थी। अशोक की मौत से घर में कोहराम मच गया परिजन भी रोते बिलखते घाट पर आ गए। बताया जाता है कि अशोक प्राइवेट गार्ड था इन दिनों घर पर पत्नी से अलग रहता था इसको एक लड़की व एक लड़का है।

घर से गायब युवक का शव गांव के बाहर मिला

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के पट्टी बैरीशाल गंगा घाट पर बुधवार की सुबह एक युवक का शव दिखने से ग्रामीणों में हड़कम्प मच गया। सूचना पर पहुची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला तो युवक की पहचान गांव के रमेश के रूप में हुई जो दो दिन से लापता था। बताया जाता है कि पट्टी बैरीशाल निवासी रमेश कुमार यादव पुत्र केवला प्रसाद उम्र 35 रविवार को अचानक घर से गायब हो गया। परिजनों ने खोजबीन की किन्तु रमेश का कुछ पता नहीं चला। पहले भी वह घर से कई बार गायब हो चूका है और कुछ दिन बाद फिर घर पर वापस लौट आता था इस लिए परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को नही दी थी। बुधवार को गंगा का जलस्तर कम हुआ तो रमेश की लाश खेत में लगे कटीले झाड़ में फंसी दिखाई दी। पुलिस कंट्रोल रूम की सूचना पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा। वही रमेश की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है।

नाव पर मटन और हुक्का की पार्टी करने वालों की तलाश में जुटी पुलिस

एसएसपी के आदेश पर दर्ज किया गया मुकदमा

प्रयागराज। दारागंज में बाढ़ की भीषण विभीषिका के बीच नाव पर मटन और हुक्का की पार्टी का वीडियो वायरल होने पर हड़कंप मच गया है। एक तरफ मुहल्ले में पानी भर जाने के कारण हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं और परिवार के साथ रिश्तेदारों या बाढ़ राहत शिविर में शरण लिए हैं वहीं इस बाढ़ में पिकनिक मनाने का वीडियो वायरल होने पर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं।मामले का पता लगने के बाद पुलिस भी हरकत में आ गई है। वीडियो के माध्यम से स्थानीय लोगों के जरिए नाव में मस्ती कर रहे लोगों की पहचान की जा रही है। फिलहाल दारागंज पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।इस मामले की साधु संतों ने भी कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे देशद्रोह तक करार दे दिया है। संगम स्थित लेटे हनुमान मंदिर के महंत बलवीर गिरि ने मामले की तीव्र भर्त्सना करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोपियों पर रासुका लगाने तक की मांग कर डाली। एसएसपी शैलेश पांडेय ने घटना के मामले में आरोपियों का शीघ्र पता लगाने का निर्देश पुलिस को दिया है।

डीपीआरओ सहित पांच बीडीओ से मांगा स्पष्टीकरण

प्रयागराज। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनाए जा रहे शौचालयों की प्रगति के बारे में स्पष्ट जवाब न देने पर जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने डीपीआरओ आलोक कुमार सिन्हा के अतिरिक्त पांच बीडीओ से स्पष्टीकरण मांगा। जिलाधिकारी ने अफसरों को चेताया कि कार्यशैली में सुधार लाएं। संगम सभागार में स्वच्छता समिति और स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समीक्षा हो रही थी। जसरा, करछना, धनूपुर, कोरांव, शंकरगढ़ में बनाए गए शौचालयों की प्रगति के बारे में जब जिलाधिकारी ने पूछा तो अफसर कोई जवाब नहीं दे सके। इस पर पहले बीडीओ को डीएम ने फटकारा और फिर जिला पंचायत राज अधिकारी अधिकारी से भी जानकारी मांगी गई। कोई भी अब तक की प्रगति की सही जानकारी न दे सका। इस पर डीएम ने सभी को फटकार कर स्पष्टीकरण तलब किया है अफसरों से कहा कि भ्रमण कर निर्माण की गुणवत्ता देखें। अगर आगे से कार्य में लापरवाही पाई गई तो कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहे। बैठक में सीडीओ शिपू गिरि, सीएमओ डॉ. नानक शरण आदि मौजूद रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत अमिलो वि. ख. करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

वित्तीय वर्ष 2022–23 मे ग्राम पंचायत अमिलो विकास खण्ड करछना में कराये जाने वाले विकास कार्यो में मनरेगा, राज्य वित्त/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति एवं कार्य की मयमजदूरी सहित आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 01–09–2022 से दिनांक 14–09–2022 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत अमिलो में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 15–09–2022 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला 15–09–2022 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	सुरेन्द्र कुमार के घर से भोलानाथ के खेत तक ह्यूम पाइप अंडरग्राउण्ड पक्की नाली कार्य	2.50 लाख	3 माह
2.	प्रमोद कुमार के घर से महादेव मंदिर तक अंडरग्राउण्ड पक्की नाली ह्यूम पाइप निर्माण कार्य	2.00 लाख	3 माह
3.	पक्की सड़क से केशरी नन्दन के घर तक इण्टरलाकिगं कार्य	2.50 लाख	3 माह

अम्बाला तिवारी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत अमिलो
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

पत्रांक: मेमो/ग्राम पं. वि. अ./टेण्डर/ कोटेशन/ 2022–23/ दिनांक

अमरेश सिंह
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत अमिलो
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

शिक्षक ने मुर्गा बनाया तो तमंचा लेकर स्कूल पहुंच गया दसवीं का छात्र

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अब्दालपुर खास स्थित एक विद्यालय में शिक्षक ने अनुशासन के लिए छात्र को डांट फटकार लगाकर मुर्गा बनाया तो उसे सबक सिखाने के लिए वह तमंचा लेकर आ गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्र को उसके एक साथी समेत हिरासत में ले लिया। साथ ही स्कूल प्रबंधन की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया। धामापुर निवासी 15 वर्षीय किशोर अब्दालपुर खास स्थित विद्यालय में कक्षा 10 का छात्र है। आरोप है कि सोमवार को क्लास के दौरान एक शिक्षक ने उसे किसी बात को लेकर फटकार लगा दी थी। मुर्गा बनने को भी कह दिया। इसके बाद छात्र नाराज हो गया। मंगलवार को वह बैग में तमंचा लेकर विद्यालय पहुंच गया। अन्य छात्रों ने देखा तो हड़कंप मच गया। जानकारी होने पर शिक्षक और प्रधानाचार्य ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस ने छात्र व उसके एक दोस्त को हिरासत में ले लिया। छात्र ने पूछताछ में बताया कि उसने पसियापुर निवासी अपने दोस्त से तमंचा लिया था। वह इंटर का छात्र है। पुलिस ने जब दूसरे छात्र को पकड़ा तो उसने फाफामऊ के शांतिपुरम मोहल्ले से तमंचा खरीदने की बात बताई। छात्र के मुताबिक उसका घर सुनसान स्थान पर है और चोरियों का खतरा रहता है। इसी कारण उसने तमंचा खरीदा था। मामले को लेकर विद्यालय के प्रशासनिक हेड नवनीत श्रीवास्तव ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने आरोपी छात्र पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर सोरांव अशोक कुमार ने बताया कि दोनों छात्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। तमंचा कहां से खरीदा गया, इसकी पड़ताल चल रही है।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए ससमय सूची में नाम सम्मिलित करवाएं शिक्षक : डा. आशुतोष त्रिपाठी

इलाहाबाद झांसी शिक्षक निर्वाचन की तैयारियों में जुटे भावी प्रत्यासी

अखंड भारत संदेश

विद्यालय के प्रबंधक व शिक्षकों से सम्पर्क करते विधायक पुत्र डा. आशुतोष त्रिपाठी

फूलपुर। इलाहाबाद झांसी शिक्षक निर्वाचन के लिए होने वाले चुनाव में अधिक से अधिक मतदान करवाने के उद्देश्य से भावी प्रत्यासियों ने विद्यालय में सम्पर्क कर मतदाता फार्म भरवाने की कवायद शुरू कर दी है। मंगलवार को शिक्षक विधायक सुरेश त्रिपाठी के पुत्र डा० आशुतोष त्रिपाठी उर्फ आंसू ने बाबूगंज स्थित ईशा पब्लिक स्कूल,आर डी पाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जवाहरलाल इण्टर कालेज हनुमंत नगर, कोड़ापुर के राम अवतार इण्टर कालेज सहित दर्जनों विद्यालयों के शिक्षको से सम्पर्क कर मतदाता फार्म भरवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षक की समाज व देश के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है कि समय रहते अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का नाम सूची में सम्मिलित हो जाए। ईशा पब्लिक स्कूल के प्रबंधक विजय पाल ने कहा कि शिक्षक समाज को शिक्षित बनाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है इसलिए शिक्षा के स्तर को और भी सुदृढ़ करने के लिए मतदान करना उनका कर्तव्य है। मौके पर शिव सेवा इंटरमीडिएट कॉलेज बसमहुआ के प्रबंधक विजय सिंह, बाबूराम मौर्य ,पवन सिंह, पंकज यादव, अरविंद मौर्य ,गौरव केसरवानी, वरुण देव पाल, आर डी पॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य अजय कुमार सहित अन्य विद्यालय के प्रबंधक व शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत बेदों वि. ख. करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

वित्तीय वर्ष 2022–23 मे ग्राम पंचायत बेदों विकास खण्ड करछना में कराये जाने वाले विकास कार्यो में मनरेगा, राज्य वित्त/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति एवं कार्य की मयमजदूरी सहित आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 01–09–2022 से दिनांक 14–09–2022 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत बेदों में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 15–09–2022 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला 15–09–2022 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	रामअभिलाख के घर से अभयराज के घर तक पक्की नाली भूमिगत एवं इण्टरलाकिंग कार्य 120 मीटर	5.00 लाख	3 माह
2.	जौहरी के पास सड़क से राजा के घर तक पक्की नाली एवं इण्टरलाकिंग कार्य 80 मीटर	5.00 लाख	3 माह
3.	पक्की सड़क मंदिर से बाबूलाल के घर तक नाली एवं इण्टरलाकिगं कार्य 80 मीटर	5.00 लाख	3 माह
4.	बबऊ के घर के पास से पटेल के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	3.00 लाख	3 माह

संगीता देवी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत बेदों
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

पत्रांक: मेमो/ग्राम पं. वि. अ./टेण्डर/ कोटेशन/ 2022–23/ दिनांक

प्रीति शुक्ला
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बेदों
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

38 वर्ष पुराने मामले में हत्या के आरोपियों को मिला आजीवन कारावास, ट्रायल कोर्ट का फैसला पलटा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। हत्या के 38 वर्ष पुराने मामले में वाराणसी ट्रायल कोर्ट से बरी हो चुके आरोपियों को इलाहाबाद हाईकोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 50-50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीत कुमार और न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान ने राज्य की ओर से दाखिल अपील पर सुनवाई करते हुए दिया है।हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को एकतरफा मानते हुए उसे रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में पूरी तरह सक्षम रहा कि हत्या आरोपियों ने की है। साथ ही चिकित्सकीय साक्ष्य और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से आरोपों की पुष्टि हो रही है। निचली अदालत ने मामले में न्याय के बुनियादी सिद्धांतों को नजरअंदाज करते हुए आरोपियों को बरी कर दिया।वर्ष1984 में आयोजित पंचायत में केदार नाथ और उनकी पत्नी पर फायरिंग करने तथा लाठियों से पीटने का आरोप है। घटना से केदारनाथ की मौत हो गई थी। मामले में यदुराई, हरिशंकर, रामनरेश, देवेंद्र और वीरेंद्र के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। लेकिन, निचली अदालत ने मामले में सभी अभियुक्तों को बरी कर दिया। इसके खिलाफ राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की। सरकार की ओर से अधिवक्ता विकास गोस्वामी ने बहस की। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान निचली अदालत के फैसले को गलत पाया और कहा कि आरोपियों की फायरिंग और हमले से ही केदार की मौत हुई और अन्य लोग घायल हुए। आरोपी दोषी हैं और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई जाती है। कोर्ट ने याची की जमानत निरस्त करते हुए उन्हें महीने भर के भीतर कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया।

हाईकोर्ट ने यूपी में ओबीसी की 18 जातियों को एससी में शामिल करने की अधिसूचना को किया रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में ओबीसी की 18 जातियों को एससी कैटेगरी में शामिल करने को चुनौती देने वाली अधिसूचना के खिलाफ याचिका आज मंजूर कर ली। प्रदेश सरकार की तरफ से महाधिवक्ता अजय मिश्रा ने सरकार का पक्ष रखा तथा कहा कि भारतीय संविधान का प्रावधान इस मामले में साफ व स्पष्ट है। कोर्ट ने दोनों पक्षों के वकीलों को सुनने के बाद याचिका को मंजूर कर लिया तथा अधिसूचना को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वह इस सम्बन्ध में एक विस्तृत आदेश देगी।हाईकोर्ट ने इससे पूर्व ओबीसी की 18 जातियों को एससी सर्टिफिकेट जारी करने पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट में राज्य सरकार की ओर से लगभग 5 वर्ष बीत जाने के बाद भी इन याचिकाओं में जवाब दाखिल नहीं किया गया।जबकि हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को पिछली सुनवाई पर जवाब दाखिल करने का अंतिम मौका दिया था। यह आदेश चीफ जस्टिस राजेश बिंदल व जस्टिस जे जे मुनीर की खंडपीठ ने डॉक्टर बीआर अंबेडकर ग्रंथालय एवं जनकल्याण द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर पारित किया है।

सत्ताईस लाख की लागत के पिच मार्ग की प्रमोद-मोना ने सौंपी सौगात, ग्रामीणों के खिल उठे चेहरे

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बुधवार को रामपुर खास की विधायक आराधना मिश्रा मोना के साथ दौरे पर मंगापुर सांसद प्रमोद तिवारी पहुंचे। इस दौरान सांसद प्रमोद तिवारी ने क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के साथ मंगापुर से गनेश का पुरवा पिच मार्ग का समारोहपूर्वक लोकार्पण किया।

गणेश चतुर्थी पर वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य विधायक मोना ने सत्ताईस लाख की लागत से छह सौ मीटर पक्की सड़क की सौगात सौपी तो ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। विधायक मोना ने यहां जनसभा में कहा कि रामपुर खास के विकास को गतिमान बनाए रखने के लिए वह सांसद प्रमोद तिवारी के नेतृत्व में दोगुनी गति से तत्पर रहेंगी।

पिच मार्ग का लोकार्पण करतीं विधायक मोना व सांसद प्रमोद तिवारी।

विधायक मोना के पुत्र राघव मिश्र ने अपने स्वागत भाषण में क्षेत्रीय लोगों की विकास के प्रति सजगता की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह बब्लू व संचालन सुनील उपाध्याय ने किया। इस मौके पर लल्लन सिंह, शैलेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सरोज, शहाबुददीन, रोहित सिंह, रामकरन गुप्ता, पवन शुक्ल, राममूरत सिंह, मुन्ना सिंह, रामदेव पाल, दगपाल यादव, जयसिंह गहलोत, धर्मेन्द्र सिंह, शैलेन्द्र सरोज, साधना उपाध्याय, कृष्णावती तिवारी, जयकरन यादव आदि रहे।

वहीं सांसद प्रमोद तिवारी तथा विधायक मोना ने सांगीपुर, कटेहटी, बाबा घुइसरनाथ धाम आदि स्थानों पर दौरा कर क्षेत्र मे जारी विकास योजनाओं का भी जायजा लिया। दौरे मे प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, आशीष उपाध्याय, संतोष द्विवेदी, सुधाकर पाण्डेय, रामबोध शुक्ल आदि रहे।

झूलेलाल जयंती पर पूजा अर्चना के बाद निकली शोभा यात्रा

लंगर का भी किया गया आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। झूलेलाल की जयंती आज शहर में सोल्लास धूमधाम से मनाई गई जिसमें सिंधी समाज के लोग दोपहर बारह बजे से ही तालिब धर्मषाला में पहुंचकर पूजा अर्चना में भाग लिये। पूजा के बाद आरती में बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे भी शामिल थे, फिर वहां प्रसाद ग्रहण के रुप में लंगर का आयोजन किया गया और शाम में भव्य शोभा यात्रा शहर में निकाली गई।

तालिब धर्मषाला में पूजा अर्चना व लंगर में पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह, सिंधी समाज के मुखिया प्रताप कुंदनानी, राजेष कुंदनानी, मनीष तथा बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। शाम को तालिब धर्मषाला से भव्य शोभा यात्रा निकली जो बाबागंज पेट्रोल पम्प, रेलवे स्टेषन होते हुए चैक गई। चैक से सदर बाजार होते हुए बेल्हा देवी पहुंची और देर शाम इसका समापन बेल्हा देवी में किया गया।

पूजा अर्चना करते सिंधी समाज के लोग।

शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भजन कीर्तन करते हुए आगे बढ़ रहे थे। दोपहर बारह बजे से शुरू झूलेलाल की पूजा के बाद शाम सात बजे के बाद बेल्हा देवी मंदिर में समापन हुआ। पूरा सिंधी समाज आज अपने-अपने व्यवसाय को बंद करके इस पूजा में शामिल हुआ था और झूलेलाल की जयंती पर हर वर्ष की तरह इस बार भी सिंधी समाज के अलावा भी लोगों ने हिस्सा लिया।

दसवीं पुण्यतिथि पर याद किये गये स्व0 जवाहर लाल गुप्ता

इंदिरा भवन पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन पर आज स्व0 जवाहर लाल गुप्ता की दसवीं पुण्यतिथि के अवसर पर सभी कांग्रेस जन चित्र पर पुष्प एवं माला अर्पित पहनाकर उनको नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किए। उसके उपरांत बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इरफान अली एवं संचालन कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला ने किया। बैठक में यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. डॉ नीरज त्रिपाठी ने कहा कि स्व0 जवाहर लाल गुप्ता कांग्रेस पार्टी के सच्चे, ईमानदार एवं निष्ठावान कार्यकर्ता थे। उन्होंने अपने पूरे जीवन काल में कांग्रेस पार्टी का झंडा लेकर गांव गांव घूमकर कांग्रेस को मजबूत करने का कार्य किया।

पूर्व पी. सी. सी सदस्य रोहित शुक्ला एवं पी सी सी सदस्य कपिल दिवेदी ने संयुक्त रूप से कहा कि स्व. जवाहर लाल गुप्ता नेक दिल इंसान थे। नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इरफान अली ने कहा कि स्व.जवाहर लाल गुप्ता मेरे पिता कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष हाजी रमजान के साथ मिलकर संगठन में पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य किया। वे कांग्रेस के कर्मठ कार्यकत्ता थे। बैठक में वेदांत तिवारी, स्व. जवाहर लाल गुप्ता की पुत्री किरन गुप्ता, नाती सुधांशु गुप्ता, अक्षत गुप्ता, राम रतन तिवारी, पृथ्वी राज गौतम, आशुतोष तिवारी, अभय, शिवम, विकास, दीपक शुक्ला, सूर्य प्रकाश, बेलाल, सलमान खान, मो. शकील, सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

नए सीओ सिटी बने सुबोध गौतम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने प्रतापगढ़ पहुंचे सुबोध गौतम को सीओ सिटी का चार्ज दिया है। अभी तक सीओ सिटी रहे अभय पाण्डेय का अलीगढ़ तबादला हो जाने पर चित्रकूट से आए सुबोध गौतम को नया सीओ सिटी बनाया गया है। बता दें कि सुबोध गौतम इससे पहले चित्रकूट जिले में तैनात थे।

घर से निकला अधेड़ लापता, केस दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर पुलिस ने मानसिक रूप से विक्षिप्त अधेड़ के घर से गायब हो जाने की घटना को लेकर मुकदमा दर्ज किया है। लीलापुर थाना क्षेत्र के छोटी इटौरी सगरा सुंदरपुर निवासी रामभवन पाण्डेय पुत्र रामसमुझ पाण्डेय ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि उसका भाई जयप्रकाश पाण्डेय 50 मानसिक रूप से विक्षिप्त है वह बीती अठारह अगस्त को दोपहर बारह बजे चाय पीने के लिए घर से दस रुपए मांगकर बाजार के लिए निकला था। लेकिन वह घर नही लौटा। पीडित के भाई के घर न लौटने से परेशान परिवार के लोगों ने उसकी काफी खोजबीन की लेकिन उसका कुछ पता नही चल सका।

आशा किरण वार्ड चयनित होने पर अब मीरा भवन वार्ड का होगा सर्वांगीण विकास

मीरा भवन वार्ड बने आशा किरण वार्ड का ईओ ने किया उद्घाटन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका परिषद बेल्हा प्रतापगढ़ के अधिशासी अधिकारी मुदित सिंह के नेतृत्व में आशा किरण वार्ड में चयनित किये गए मीरा भवन वार्ड का बुधवार को फीता काटकर उद्घाटन किया गया। मीरा भवन को आशा किरण के रुप में चयनित करने पर वार्ड के लोगों में खशी देखी गई।

फीता काटकर उद्घाटन करते नगर पालिका के ईओ मुदित सिंह।

इस दौरान ईओ मुदित सिंह ने कहा कि अब इस वार्ड का विषेष रुप से सर्वांगीण विकास किया जाएगा और सुविधाओं में भी बढ़ोत्तरी होगी। उद्घाटन समारोह में सफाई निरीक्षक संतोष सिंह ने बताया कि आशा किरण वार्ड को अभी और भी चमकाया जायेगा। स्वच्छ भारत मिशन के तहत यहां पर 12 बन्दुओं पर काम किया जाएगा जिसमें प्रत्येक घर में शौचालय, पिंक/ सामुदायिक/ सार्वजनिक शौचालय पर दो बार दैनिक सफाई की सुविधा, प्रत्येक घर से कूड़ा एकत्रीकरण, होम कम्पोस्टिंग/कम्युनिटी कम्पोस्टिंग की सुविधा, चयनित वार्ड के लिए विशेष रूप से उपलब्ध कर्मचारी, उचित दूरी पर कूड़ेदान की उपलब्धता, जनजागरूकता अभियान, नो गार्बेज वरनलेबल पॉइंट, प्लास्टिक निषेध अधिनियम का अनुपालन सुनिश्चित करना, ठोस कचरे का रिसायकिल की व्यवस्था, हरियाली और सुन्दरीकरण व जल उपचार की समुचित व्यवस्था शामिल हैं। इसके अलावा वार्ड में गठित स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति के सदस्यों द्वारा आशा किरण वार्ड के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी जाएगी।

और कूड़े में सुखा कूड़ा गीला कूड़ा पृथकीकरण के बारे में प्रेरित किया जाएगा। जिससे अन्य वार्ड के लोग इससे प्रेरणा लेंगे। इस उद्घाटन समारोह में स्वच्छ भारत मिशन के डी पी एम वरुण सिंह, डी सी आशीष मिश्रा, राजस्व निरीक्षक लाल बहादुर, राजेश बिन्द और अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में तीन करोड 15 लाख का प्रस्ताव पास

पट्टी ब्लाक सभागार में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की हुई बैठक

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी ब्लाक सभागार में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक में एक करोड़ पंद्रह लाख रुपए की कार्य योजना का प्रस्ताव विभिन्न योजनाओं के लिए पास किया गया। इस दौरान ब्लाक प्रमुख पट्टी ने मौजूद क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों से रूबरू होते हुए विकास का खाका खींचा।

पट्टी नगर स्थित ब्लॉक सभागार में बुधवार की दोपहर क्षेत्र पंचायत सदस्यो की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उनके उपस्थित होने पर मौजूद लोगों ने माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। पट्टी विकास खंड के क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधानों तथा मौजूद जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधियों

क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक में बोलते पूर्व मंत्री मोती सिंह।

को संबोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख राकेश सिंह पप्पू सिंह ने कहा कि पट्टी विकास खंड के ग्राम पंचायतों को मजबूती देने तथा विकास कार्य के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने धरौली माइनर के मुद्दे की बात उठाई तथा तमाम प्रकार की विभिन्न योजनाओं की भी चर्चा किया। कार्यक्रम में मौजूद सिंचाई विभाग के एसडीओ मनीष कुमार, पट्टी नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक नीरज सिंह, ब्लाक प्रमुख सुशील सिंह, जिला पंचायत सदस्य गिरीश चंद्र जायसवाल जिला पंचायत सदस्य संजय पाल ,पट्टी के विकास खंड अधिकारी राम प्रसाद आदि लोगों ने संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह मोती सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार हमेशा गरीब मजदूर और नौजवानों के विकास का खाका खींच रही है। पंचायत को मजबूत करने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पट्टी के सम्मान में खुद को कुर्बान करने में उन्हें कोई संकोच नहीं है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आसपुर देवसरा ब्लाक प्रमुख कमलाकांत यादव, पट्टी नगर अध्यक्ष खेड़ानलाल जायसवाल, समाजसेवी अशोक जयसवाल, ग्राम प्रधान राम आसरे शुक्ला, सुरेश शुक्ला ,परशुराम ओझा, सिराज अहमद, डॉ एएम वर्मा पशु चिकित्सा अधिकारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अशोक श्रीवास्तव ने किया।

दो के खिलाफ आबकारी अधिनियम का मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियो के खिलाफ अवैध शराब को लेकर मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के दरोगा केशव प्रसाद के अनुसार बीती मंगलवार की शाम साढे पांच बजे सलेम भदारी के समीप स्थित राईसमिल के पास से समापुर गांव निवासी मनीष मिश्र पुत्र राजकुमार मिश्र को दस लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। वहीं दरोगा राजेन्द्र कुमार यादव के अनुसार महराजपुर जगन्नाथपुर गांव निवासी रामआसरे गौतम पुत्र बाबूलाल गौतम को मंगलवार की रात दस बजे पयागीपुर के पास से बीस लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपितो के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया।

साथी की गिरफ्तारी से नाराज अधिवक्ताओं ने कोतवाली का किया घेराव

दूसरे पक्ष के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी पर अडा वकील संघ

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। साथी अधिवक्ता की गिरफ्तारी को लेकर नाराज अधिवक्ताओं ने बुधवार को कोतवाली का घेराव करते हुए विरोध जताया। दूसरे पक्ष से नामजद आरोपियो की शीघ्र गिरफ्तारी की जाए नही तो अधिवक्ता संघ आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के पूरे इच्छाराम में रविवार को दोपहर में जमीनी विवाद को लेकर प्रधान कालूराम यादव व दिनेश पाल के बीच जमकर विवाद हो गया था।दोनो पक्षों के बीच खूब जमकर ईट व पत्थर चले साथ ही फायरिंग का भी लोगो ने आरोप लगाया था। जिसमे दोनो पक्ष से लगभग एक दर्जन लोग घायल हो गए।

कोतवाली गेट पर नारेबाजी करते अधिवक्तागण।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया साथ ही अधिवक्ता जयनारायण यादव समेत कई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कई लोगो को जेल भेज दिया। इसी मामले को लेकर संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल तिवारी महेश व महामंत्री शेष नाथ तिवारी की अगुवाई में कोतवाली का घेराव करते हुए विरोध जताया। इस मौके पर टी पी यादव,रामलगन यादव, विपिन शुक्ला, प्रमोद तिवारी, पूर्व महामंत्री संदीप सिंह,संतोष सिंह, संजय सिंह, शैलेंद्र मिश्र, विकास मिश्र, धीरज पांडेय, आशुतोष शुक्ला, राजेश द्विवेदी, कमलेश तिवारी, हरिकेश सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

गणेश चतुर्थी की धूम, विराजे विघ्नहर्ता

शहर में कई जगह हुई गणेश मूर्ति की स्थापना

दस दिन तक होगी पूजा, अनंतचतुर्दशी को होगा विसर्जन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बुधवार को गणेश चतुर्थी का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। घरों के साथ पंडालों में विघ्नकर्ता गणेश की मूर्ति की स्थापना विधि विधान से पूजन के साथ हुई। अब से लेकर दस दिन तक गणेश चतुर्थी का उत्सव मनाया जाएगा। अनंत चतुर्दशी को वैदिक मंत्रों के साथ विसर्जन यात्रा निकालकर इनको जल में प्रवाहित किया जाएगा।

पुराणों के अनुसार भगवान गणेश का जन्म चतुर्दशी के दिन हुआ था। इसलिए इस दिन को उनके जन्मदिन के रूप में मनाते हैं। पहले दिन से इसकी शुरूआत होती है और पूरे दस दिनों तक इसकी धूम रहती हैं। मान्यता है कि गणेश मूर्ति घरों में होनी चाहिए। संकट और दुःख को दूर करते हैं। इसलिए इन्हें विघ्नहर्ता भी कहते हैं। भक्तों के मनोरथ सिद्ध करते हैं। इसलिए सिद्धविनायक कहलाते हैं। बुधवार इनका ही दिन होता है। संयोग से चतुर्थी भी इसी दिन पड़ी। सिविल लाइंस, वीमार्ट, मालगोदाम, श्याम बिहारी गली समेत कई स्थानों पर गणेश चतुर्थी का उत्सव मनाया गया।

पूर्व प्रधानाध्यापक के घर चोरों ने उड़ाया जेवरात तथा नगदी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। गलियारे का ताला तोड़कर घर में घुसे चोरों ने पूर्व प्रधानाध्यापक के घर से जेवरात लेकर भाग निकले, शोर मचाने पर थोड़ी दूर पर बक्सा मिला लेकिन जेवरात तथा नकदी गायब था। पीड़ित प्रधानाध्यापक ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र दिया है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के कंजा सराय गुलामी गांव के रहने वाले राधेश्याम वर्मा पूर्व प्रधानाध्यापक थे। मंगलवार की रात बरामदे में वह सो रहे थे, तभी गलियारे में लगे हुए दरवाजे का ताला तोड़कर दो चोर अंदर घुसे और कमरे के अंदर प्रवेश करके कीमती जेवरात तथा नकदी लेकर भागने लगे। आहट पाकर घरवाले जाग गए चोरों का पीछा किया गया लेकिन चोर भाग निकले हालांकि संदूक घर से कुछ दूर पर मिला इस संबंध में पीड़ित ने शिकायती पत्र देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।

कमरे में कब्जा जमा लेने पर ससुरालीजनों के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने विधवा महिला के कमरे मे रखे नकदी व जेवरात तथा सामानो को चुरा लेने तथा कमरे मे ताला बंद करके कब्जा जमा लेने की घटना को लेकर पीड़िता के सास ससुर समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के रामपुर भासो गांव की पीड़िता सुशीला वर्मा पत्नी स्व. शिवमूर्ति वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि वह बीते उन्नीस जुलाई को मायके से अपने ससुराल पहुंची तो उसके कमरे में दूसरा ताला बंद मिला। पूछताछ करने पर ससुरालीजन अपमानित करने लगे। पीड़िता ने कमरे की खुली खिड़की से झांक कर देखा तो अंदर कमरे मे रखे नकदी व जेवरात, खाद्यान्न समेत सभी सामान गायब दिखे। कमरे पर कब्जा किये ससुरालीजनों ने गाली देते हुए उसे घर मे न रहने देने की बात कही। इस पर पीड़िता वापस मायके चली गयी और कोतवाली में पुलिस को तहरीर दिया।

किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना को लेकर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने कमरे मे बंधक बनाकर किशोरी के साथ दुष्कर्म किये जाने की घटना को लेकर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की पीडिता ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती एक अगस्त को लालगंज कोतवाली क्षेत्र के गोसांई का पुरवा अमावां गांव निवासी आरोपित श्रवण कुमार वर्मा पुत्र रामखेलावन वर्मा ने शादी का झांसा देकर फोन पर पीड़िता की सोलह वर्षीया बेटी को गांव के पड़ोसी अनिल वर्मा पुत्र सूरजदीन के मकान पर बुलाया। आरोप है कि आरोपित ने पीडिता को कमरे मे बंधक बना लिया और डरा धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आरोपित ने पीडिता को कहीं शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना को लेकर पीडिता ने अपनी मां से रो-रो कर आपबीती सुनाई। इसके बाद पीडिता की मां ने लालगंज कोतवाली पहुंचकर आरोपित के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। कोतवाल कमलेश पाल का कहना है कि तहरीर के आधार पर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

अवैध गांजा के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अवैध ड्रग्स एवं अवैध शराब के विरुद्ध चलाये गये विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद के थाना फतनपुर के उ0नि0 रतनेश मौर्या मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के ग्राम करका मोड़ के पास से एक व्यक्ति राजकुमार पुत्र स्व0 झुमरी पटेल निवासी ग्राम मुगरा, बादशाहपुर (लल्लू तालाब), थाना मुगराबाद शाहपुर, जनपद जौनपुर को एक किलो 100 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में थाना फतनपुर में मु0अ0सं0 228/2022 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट बनाम राजकुमार उपरोक्त के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया है।

अवैध तमंचा-कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना अंतू के उ0नि0 शुभनाथ साहनी मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के ग्राम सराय भनई मोड़, राईस मिल के पास से एक व्यक्ति सुनील कुमार वर्मा पुत्र संकठा प्रसाद वर्मा निवासी कठुआपुरबासी थाना अंतू, जनपद प्रतापगढ़ को एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में थाना अंतू में मु0अ0सं0 468/2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया।

खबर संक्षेप

उधारी की रकम मांगने पर दबंगों ने माँ बेटे को लाठी डंडे से पीटा

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के समसपुर गांव निवासी ज्ञानमती पत्नी सूबे लाल से गाव के ननका ने 2 वर्षों पूर्व उधार में दो हजार की रकम ली थी महिला अपना बकाया रकम ननका से बार-बार मांग कर रही है लेकिन वह महिला की बकाए रकम देने के बजाय बार-बार बहानेबाजी कर रहा है जिस पर महिला ने 30 अगस्त को फिर उससे अपना बकाए की रकम मांग की जिस पर बकाया की रकम ना देना पड़े इससे ननका ने साजिश रची और अपनी भतीजी मोहनिया पुत्री लोकनाथ से महिला के लड़के कल्लू को केला चुराने की चोरी लगाकर गाली गलौज किया और इसी मौके पर ननका उसके साथी भोला यादव पहुंचे और महिला के लड़के को गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे से मारा पीटा है। बीच बचाव करने महिला पहुंची तो उपरोक्त लोगों ने महिला को भी लात घूसों के मारा पीटा है जिससे मां बेटे को चोटें आई हैं मामले की सूचना महिला ने चरवा पुलिस को दी है लेकिन खबर लिखे जाने तक आरोपियों पर कार्रवाई नहीं हो सकी है।

अधेड़ को कुचलने के बाद सड़क पर पलटा ट्रक

अखंड भारत संदेश

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क पर चक्काजाम पुलिस के काफी देर समझाने के बाद माने ग्रामीण

हादसे के बाद घटनास्थल पर लगा ग्रामीणों का मजमा

कौशांबी। प्रयागराज से पाइप लादकर चित्रकूट जा रहे ट्रक चालक ने महेवा घाट थाना क्षेत्र के हिनौता गांव के पुलिया के पास बाइक सवार को टक्कर मार दी है बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित ट्रक सड़क पर पलट गया है हादसे में एक अधेड़ की घटनास्थल पर मौत हो गई है सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंची है हादसे के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और लाश को सड़क पर रख दिया सूचना पाकर महेवा घाट और पश्चिम शरीरा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची ग्रामीण लाश को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को नहीं ले जाने दे रहे थे पुलिस ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है हादसे के बाद भाग रहे ट्रक चालक को पुलिस ने पकड़ लिया है। घटनाक्रम के मुताबिक बुधवार को महेवाघाट थाना क्षेत्र के हिनौता गांव की पुलिया के पास बाइक सवार शिव भवन उम्र 42 वर्ष पुत्र महिपाल को ओवरलोड ट्रक ने टक्कर मार दिया है हादसे में शिव भवन ट्रक के पहिए में फंस गया जिससे दूर तक घसीटता चला गया जिससे शिवभवन की मौके पर मौत हो गयी जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर सैकड़ों ग्रामीणों का मजमा लग गया हादसे से ग्रामीण आक्रोशित हो उठे घटनास्थल से शव उठाने में पुलिस को कड़ी मेहनत करनी पड़ी परिजनों और गांव वालों के भारी विरोध का सामना पुलिस को करना पड़ा करीब एक घंटे बाद शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आखिर ओवरलोड गाड़ियों का पासर सरगना गुड्डू लंगड़ा को कब पुलिस करेगी गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले के अधिकारियों के कर्मचारियों द्वारा ही पासरों को खुद की लोकेशन दी जाती है ।कि हम रोड पर निकल रहे हैं ।इस रोड पर अपनी गाड़ियां कहीं खडी करा दो बता दें कि जहाँ योगी सरकार सड़कों को दुरुस्त रखने की बात कहते है। वहीं गाडी पासर योगी सरकार की धज्जियाँ उड़ा रहे है कि गैर जनपद से आकर बना नंबर एक पासर गुड्डू यादव ऊर्फ लंगड़ा गाडी मालिको से मोटी रकम लेकर के गाड़ियां पास कराता है सूत्रों की माने पासर कहता है। कि मेरी पकड़ खनन अधिकारी से एवम आरटीओ से भी है। यह पासर जौनपुर, अमेठी, रायबरेली, ऊँचाहार, तक की गाड़ियों को लोकेशन भेजता है सूत्रों की माने तो अपना ठिकाना जनपद कौशाबी के महेवा घाट मंझनपुर कोतवाली के ओसा चौराहा करारी सराय अकिल कोखराज जनपद के आधा दर्जन जगह बदल बदल कर रहता है पासर आखिर जनपद की एसओजी पुलिस क्यों इन पासरो को पकड़ नहीं पाती पुलिस विभाग महकमे का सबसे विश्वसनीय एसओजी पुलिस मानी जाती है कई घटनाओं का लगातार जनपद की एसओजी पुलिस ने कई घटनाओं का किया खुलासा और मुठभेड़ लेकिन बड़ा सवाल आखिर ओवरलोड के खेल में शामिल पासरो पर कब एसओजी पुलिस कामयाब होगी।

न्यूज झरोखा

द्वाबा प्राइवेट बस एसोसिएशन के अध्यक्ष बने अजय मिश्रा

कौशाम्बी। द्वाबा प्राइवेट बस ओनर वेलफेयर एसोसिएसन के अध्यक्ष अजय मिश्रा बने हैं जिस पर बस मालिकों ने अजय मिश्रा को माल्यार्पण कर उनका जोरदार स्वागत किया है द्वाबा प्राइवेट बस ओनर्स बेलफेयर एसोसिएशन की एक बैठक अध्यक्ष जमुना प्रसाद द्विवेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें अपने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए जमुना प्रसाद द्विवेदी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है जमुना प्रसाद द्विवेदी के इस्तीफे को बस एसोसिएशन के सदस्यों ने स्वीकार कर लिया है बस एसोसिएशन के सदस्यों ने सर्वसम्मति से अजय मिश्रा को अध्यक्ष चुना है बस एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने जाने के बाद अजय मिश्रा ने सभी बस मालिको ड्राइवरों व कंडेक्टरों को भरोसा दिलाया है कि बस के संचालन में आने वाली तमाम समस्याओं के संबंध में अधिकारियों से बात करेंगे और बस संचालन में आने वाली दिक्कतों को दूर करेंगे उन्होंने कहा कि बस एसोसिएशन से जुड़ी आपकी समस्त लड़ाई लड़ूंगा नए अध्यक्ष अजय मिश्रा को माल्यार्पण कर बस मालिकों ने जोरदार स्वागत किया है इस मौके पर दिनेश चंद्र शुक्ला शिव मोहन मिश्रा रमेश केसरवानी श्याम मिश्रा कल्लू जायसवाल सत्य प्रकाश शुक्ला राजनारायण कमलेश तिवारी मिथिलेश केसरवानी दिलीप सिंह फौजी नरेश पाल सहित तमाम बस मालिक मौजूद रहे।

नवागत कोतवाल के चार्ज लेते ही उनका स्वागत करने पहुंचे भाजपा नेता

कोखराज कौशांबी। कड़ा धाम कोतवाली में पूर्व कोतवाल को हटाए जाने के बाद नए कोतवाल अभिलाष तिवारी को पुलिस अधीक्षक ने कड़ा धाम कोतवाली का कोतवाल बनाया है जैसे ही नए कोतवाल अभिलाष तिवारी ने कड़ा धाम कोतवाली पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया भाजपा नेता हेमंत कुशवाहा अपने दर्जनों साथियों के साथ कड़ा धाम कोतवाली पहुंचे हैं और नवागत कोतवाल को माल्यार्पण कर कोतवाली आने पर उनका स्वागत किया है इस मौके पर भाजपा नेता हेमंत कुशवाहा ने कहा कि इलाके की जनता नए कोतवाल से न्याय पूर्ण तरीके से आम जनता को न्याय देने की उम्मीद लगाए बैठी है उन्होंने नए कोतवाल से उम्मीद जताई है कि वह शासन सत्ता के मंशा के अनुरूप पीड़ित जनता को त्वरित न्याय देंगे और शासन सत्ता के आदेशों का पालन कड़ाई से करते हुए इलाके में अपराधियों पर कठोर कार्यवाही करेंगे।

विधवा वृद्ध महिला के पीएम आवास को नहीं बनने दे रहा है अपराधी!

अखंड भारत संदेश

अपराधी के घर आधी रात को देखे जाते है चौकी पुलिस के सिपाही जिससे अपराधी का बढ़ रहा है हौसला

आराजी संख्या 813, 816, 818 पर पट्टा निरस्त होने के बाद भी अपराधी से सरकारी जमीन नहीं खाली करा सके तहसील के अधिकारी

कोखराज कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद भरवारी के मूरतगंज जिल्लापर की रहने वाली विधवा वृद्ध वाहाबुन पत्नी स्वर्गीय अब्दुल वहाब बीते कई महीनों से क्षेत्र के एक अपराधी और उसकी पत्नी से परेशान है यह अपराधी चौकी पुलिस के सिपाहियों का खासम खास है आधी रात को चौकी पुलिस के सिपाही अपराधी के घरों में देखे जाते हैं जिससे अपराधी का हौसला बढ़ा है और वृद्ध महिला को उसके अपने आराजी संख्या 370 और 371 राजस्व अभिलेखों में दर्ज जमीन पर प्रधानमंत्री आवास का निर्माण नहीं करने दे रहे हैं जबकि इसी भूमि पर विधवा महिला का परिवार 2 पीढ़ी से काबिज है अपनी जमीन पर पुराने कच्चे भवन को गिरा कर विधवा ने प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कराना शुरू किया लेकिन मूरतगंज के पल्हना घाट निवासी अपराधी सुभाष चंद हेला और उसकी पत्नी ने विरोध शुरू कर दिया अनुसूचित जाति का लाभ उठाकर पुलिस अधिकारियों को गुमराह कर झूठा प्रार्थना पत्र देकर विधवा की भूमि पर जबरिया कब्जा करने का प्रयास अपराधी कर रहा है सुभाष चन्द्र हेला अपनी पत्नी शीला देवी को आगे कर आए दिन झूठी शिकायत देकर अधिकारियों को गुमराह कर विधवा की जमीन पर कब्जा करना चाहता है। अधिकारियों को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में विधवा महिला ने बताया कि सुभाष चन्द्र हेला की जमीन आराजी संख्या 816, 818 और 813 पर दर्ज है जो उसे पट्टा मिला था पट्टे की इस जमीन को भी तहसील प्रशासन ने निरस्त कर दिया है निरस्त जमीन पर भी वह अनलीगल तरीके से काबिज है पट्टे की सरकारी जमीन को सुभाष चंद्र हेला और उसकी पत्नी के कब्जे से मुक्त कराया जाए प्रधानमंत्री आवास के निर्माण की दीवाल को आरोपी सुभाष चंद्र हेला और उसकी पत्नी शीला देवी ने गिरा दिया है लगभग 25 हजार रुपए कीमत की निर्माण सामग्री भी आरोपी जबरिया उठा ले गए हैं विधवा का कहना है कि जमीन खाली करने के नाम पर ब्लैकमेल कर अपराधी सुभाष चंद्र हेला और उसकी पत्नी 50 हजार रुपए की डिमांड कर रही है उसे गुंडा टैक्स ब्लैकमेल की रकम न देने पर वह अधिकारियों को लगातार गुमराह कर रही है दर्जनों झूठे प्रार्थना पत्र पति-पत्नी दे चुके हैं सरकार की ओर से प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत है सुभाष चंद्र हेला की गुंडई के चलते विधवा का प्रधानमंत्री आवास अर्ध निर्मित स्थिति में पड़ा हुआ है बीते एक वर्षों से सुभाष चंद्र हेला के कारनामे के चलते विधवा अपनी जमीन पर प्रधानमंत्री आवास का निर्माण नहीं कर पा रही है। बताया जाता है कि अदालत को भी गुमराह करके सुभाष चंद्र हेला और उसकी पत्नी शीला देवी ने झूठा मुकदमा दाखिल किया है जिसमें साक्ष्य ना प्रस्तुत कर पाने पर सुभाष चंद्र हेला एवं उसकी पत्नी शीला देवी को अदालत से किसी प्रकार का स्थगन आदेश या उनके पक्ष में कोई निर्णय नहीं मिल सका है।

मुकदमा दर्ज होने के बाद 50 लाख घोटाले के आरोपी को बचाने में जुटे जिम्मेदार

अखंड भारत संदेश

डीएम के आदेश पर जांच में आरोपो की पुष्टि के बाद दर्ज मुकदमे में भारी पड़ रहे हैं थानेदार कोखराज और जिला विकास अधिकारी

कौशांबी। जिले के बेईमान अधिकारियों का कारनामा भी बेहद निराला है और जिलाधिकारी के कार्यवाही को भी झूठा करार देने पर बेईमान अधिकारी लगे हैं जिससे आम जनता जिलाधिकारी के कार्रवाई के बाद भी संतुष्ट होती नहीं दिख रही है बेईमान अधिकारी आरोपियों से लाखों की रकम उसका जहां उन्हें संरक्षण दे रहे हैं वहीं जिलाधिकारी के कार्यवाही में यह बेईमान अधिकारी छेद कर रहे हैं ताजा मामला सिराथू तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत सचिव अर्चना सरोज का है सचिव अर्चना सरोज पर ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में हेराफेरी कर 52 लाख की रकम गबन करने का आरोप लगने पर जिलाधिकारी ने मामले की जांच कराई जांच के दौरान ग्रामीणों की शिकायत सही पाई गई और सचिव अर्चना सरोज पर सरकारी रकम में गबन करने का आरोप की पुष्टि जांच अधिकारियों ने किया जिलाधिकारी के निर्देश पर ग्राम पंचायत सचिव अर्चना सरोज सहित 4 ग्राम प्रधान पर गंभीर धाराओं में कोखराज थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया गया है धीरे-धीरे मामले को 4 महीने से अधिक बीत चुके हैं जिला विकास अधिकारी ने मुकदमा दर्ज कराए जाने के बाद लाखों की रकम वसूल कर सचिव अर्चना सरोज को निलंबित नहीं किया है तत्कालीन थानेदार ने भी अर्चना सरोज से लाखों की मोटी रकम वसूल कर उन्हें खुलेआम घूमने के लिए छूट दे दी है सचिव अर्चना सरोज बेखौफ तरीके से फिर सरकारी योजना में डाका डालकर कमीशन खोरी में लगी हैं थानेदार और जिला विकास अधिकारी उन्हें संरक्षण दे रहे हैं जिला अधिकारी के द्वारा जांच कराए जाने के बाद दोषी पाए जाने पर ग्राम पंचायत सचिव की गिरफ्तारी करा कर जेल भेजे जाने में हेराफेरी करना आरोपों की पुष्टि होने के बाद उन्हें निलंबित ना किया जाना तमाम सवाल खड़ा कर रहा है सचिव अर्चना सरोज के मामले को जिला अधिकारी ने गंभीरता से लिया तो जहां कोखराज के पूर्व थानेदार की मुसीबत बढ़ेगी वहीं जिला विकास अधिकारी पर भी कठोर कार्यवाही हो सकती है लेकिन क्या जिलाधिकारी अपनी जांच रिपोर्ट को गंभीरता से लेकर इन बेईमान अधिकारियों पर कार्रवाई करेंगे या फिर सब कुछ सिस्टम के तहत चलता रहेगा।

मेजर ध्यानचंद की स्मृति में विद्यालय में खेल का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विद्यालय के प्रबंधक ने माल्यार्पण कर उनका उत्साहवर्धन किया

खिलाड़ी को माल्यार्पण कर सम्मानित करते विद्यालय प्रबंधक

भरवारी कौशाम्बी। नेशनल इंटर कॉलेज भरवारी के प्रांगण में मेजर ध्यान चंद्र की स्मृति में खेल कूद का आयोजन किया गया है खेलकूद के आयोजन में स्कूल के छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया इस मौके पर खेल का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक रवि नारायण तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर किया खेलकूद के आयोजन के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य कलीम अहमद ने कहा कि मेजर ध्यानचंद हॉकी के जादूगर थे मेजर ध्यानचंद के खेल के प्रति लगाव खेल के महत्व और उनके हाकी के जादूगरी के महत्त्व के बारे में उपस्थित छात्रों को प्रधानाचार्य कलीम अहमद ने विस्तार से बताया इस मौके पर अरुण कुमार द्विवेदी भुवनेश्वर कुमार तिवारी स्वतंत्र कुमार श्रीवास्तव अतुल कुमार मिश्रा वरुण शंकर मिश्रा गंगा प्रसाद अर्जुनलाल संजय चौधरी अवधेश कुमार दीपांशु तिवारी अजय कुमार प्रवक्ता सहित तमाम शिक्षक और गणमान्य लोग मौजूद रहे खेल का आयोजन अजय कुमार प्रवक्ता द्वारा आयोजित किया गया था खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को माल्यार्पण कर विद्यालय के प्रबंधक रवि नारायण तिवारी ने उनका उत्साहवर्धन किया है।

देवर भाभी के अवैध रिश्ते के चलते ससुरालियों से पीड़ित है विवाहिता

अखंड भारत संदेश

शादी के 3 महीने में ही कई बार मारपीट कर प्राण लेने का हो चुका है प्रयास

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के देव-खरपुर गांव की एक बालिका का विवाह पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के चिरैया नाला टिकरी के एक युवक के साथ साढ़े 3 महीने पहले हुआ था लेकिन साढ़े 3 महीने में ही विवाहिता पर ससुरालियों ने जुल्म अत्याचार की हदें पार कर दी जिससे मजबूरन विवाहिता को अपने मायके वापस आना पड़ा देवखरपुर कोतवाली मंझनपुर जनपद कौशांबी की मालती देवी मौर्या पत्नी धर्म राज मौर्य ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया कि अपनी बेटी मोनी मौर्या की शादी 09 मई 2022 को पूरामुफ़्ती थाना क्षेत्र के चिरैया नाला टिकरी गांव निवासी संजय कुशवाहा पुत्र राम सिंह कुशवाहा के साथ हिंदू रीति रिवाज के अनुसार किया था शादी में वर पक्ष की डिमांड और बेटी की शौख पर सोने का कान का झूला कील नथिया लगभग 1 तोला कीमत 50 हजार और लगभग 50 हजार रुपए कीमत के चांदी के जेवर के साथ बेटी की विदाई के समय डबल बेड की पलंग अलमारी फ्रिज कूलर बक्सा बर्तन कपड़ा बिस्तर सिंगार का सामान आदि सामान लगभग 50 हजार कीमत का दिया था इसके अलावा 50 हजार तिलक में नगद कपड़ा बर्तन व अन्य सामान लगभग कीमत 10 हजार दिया था बेटी की बरीक्षा में 25 हजार रुपए नगद व अन्य सामान के साथ विदाई के समय 60 हजार कीमत की एक भैंस भी दिया था बारातियों के स्वागत सत्कार खाना-पीना आदि आयोजन में भी 2 लाख से अधिक खर्च किया गया है महिला ने बताया कि जब बेटी ससुराल पहुंची तो मालूम हुआ कि उसके पति संजय कुशवाहा का अपनी भाभी लालती देवी से पहले से शारीरिक संबंध है संजय कुशवाहा लालती देवी के साथ पति पत्नी की तरह रहते हैं और एक बिस्तर में प्रतिदिन सोते हैं महिला की बेटी को पति से शारीरिक सुख नहीं मिल सका आए दिन मायके से दहेज कम लाने के लिए मोनी को प्रताड़ित किया जाने लगा मोटरसाइकिल और एक लाख रुपए अतिरिक्त दहेज की डिमांड ससुरालियों ने शुरू कर दी मायके के लोगों ने अतिरिक्त सामान देने में असमर्थता जताई गई भाभी से अवैध संबंध का जब विवाहिता ने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट लड़ाई झगड़ा उत्पीड़न और प्रताड़ना ससुराली जनों द्वारा शुरू कर दिया आए दिन मोनी मौर्या को मारपीट कर ससुराल में प्रताड़ित किया जाता रहा मोनी मौर्या ने पति संजय कुशवाहा और भाभी लालती देवी के अवैध शारीरिक संबंध हरकत को अपनी सांस निर्मलादेवी से भी बताया लेकिन निर्मला देवी ने देवर भाभी के अवैध संबंध को रोकने के बजाय उनका साथ देने लगी और वह भी विवाहिता को गाली गलौज करने लगी विवाहिता ने इस बात की जानकारी लालती देवी के पति अजय मौर्या को दिया अजय मौर्या अपने चाचा बबलू को साथ लेकर मोनी मौर्य को गाली गलौज धमकी देकर प्रताड़ित करने लगे तमाम प्रताड़ना से ऊबकर मोनी अपने मायके आ गई 19 अगस्त 2022 को मायके से बेटी मोनी को बुलाकर उसके पति ससुराल ले गया और ससुराल ले जाने के बाद उसी रात को मोनी ने देवर भाभी को निर्वस्त्र एक बिस्तर पर लिपटे देखा विवाहिता के मुताबिक दोनो रति क्रिया में लिप्त थे जिसका विरोध मोनी ने किया जिस पर मोनी का गला दबाकर हत्या करने की पति और जेठानी ने कोशिश की विवाहिता ने हो-हल्ला मचाया तो पति ने कहा कि मजाक कर रहे थे 4 दिन बाद 24 अगस्त 2022 को फिर मोनी के खाने में जेठानी लालती ने जहर मिला कर दिया गया दो कौर खाते ही विवाहिता को चक्कर आने लगा जिस पर उसने खाना फेक दिया जिससे उसकी जान बच सकी बेटी के साथ अत्याचार के मामले को लेकर 29 अगस्त को मालती देवी अपनी एक अन्य बेटी सोनी व नाती आशु को लेकर मोनी के ससुराल पहुंची जहां देखते ही मोनी के पति संजय कुशवाहा जेठ अजय मौर्या जेठानी लालती देवी सास निर्मला देवी और बेटी का चकिया ससुर बबलू देवर जितेंद्र लाठी डंडा लेकर एकत्रित हो गए मुझे और बेटी को गाली गलौज मारपीट करने लगे मोनी के पास मौजूद समस्त स्त्रीधन सोने के जेवरात लगभग डेढ़ तोला और लगभग 1 किलो चांदी के जेवरात वा पास में मौजूद लगभग 4 हजार लगभग रुपए मारपीट कर पति जेठ जेठानी सास देवर और चचिया ससुर ने छीन लिया गाली गलौज कर गांव से जाने को मजबूर कर दिया गया बेटी के ससुराली जनों की प्रताड़ना से पीड़ित मोनी मौर्या वापस देवखरपुर घर लौट आई है मोनी के मायके लौटने के बाद उसके परिजनों ने पुलिस अधिकारियों से लेकर नेता मंत्री का दरवाजा खटखटाना शुरू कर दिया है।

सरकारी योजनाओं के ऋण वितरण में शाखा प्रबंधकों की मनमानी पर नहीं लग रहा विराम

अखंड भारत संदेश

घूसखोरी की रकम न मिलने पर लाभार्थियों की फाइल को गलत तरीके से निरस्त कर योजना से बैंक कर रहे हैं वंचित

ऋण जमा अनुपात कम पाए जाने पर बीते दिनों जिलाधिकारी ने बैंक प्रबंधकों को लगाई थी जमकर फटकार लेकिन फिर भी नहीं सुधरे बैंक प्रबंधक

कौशाम्बी। जिले में बैंक प्रबंधकों की मनमानी तानाशाही पर अंकुश लगता नहीं दिख रहा है जिले के विभिन्न शाखा प्रबंधक लाभार्थियों के साथ मनमानी कर ऋण वितरण में कमीशन खोरी में मशगूल है अवैध वसूली में मशगूल शाखा प्रबंधकों पर लीड बैंक प्रबंधक भी अंकुश लगाने में अपनी विवशता जता रहे हैं उनका कहना है कि डंडा मारकर शाखा प्रबंधक के घूसखोरी को नहीं बंद कराया जा सकता जिले में शाखा प्रबंधकों के ऋण वितरण में मनमानी के चलते बैंकों में जमा और ऋण वितरण के अनुपात में भारी अंतर है बीते दिनों जिला अधिकारी ने ऋण जमा अनुपात में अंतर पाए जाने पर शाखा प्रबंधकों को जमकर फटकार लगाई थी लेकिन उसके बाद भी बैंक के प्रबंधकों की मनसा परिवर्तित होती नहीं दिख रही है जिससे केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी उद्योग धंधे की योजनाएं सफल होती नहीं दिख रही है बैंक प्रबंधकों की मनमानी के चलते उद्योग धंधे स्थापित नहीं हो रहे हैं जिसके चलते युवक बेरोजगारी का खामियाजा भुगत रहे हैं उद्योग धंधे लगाने वाले लाभार्थियों को ऋण वितरण में तरह-तरह से परेशान किया जा रहा है और जिन उद्यमियों ने बैंक के प्रबंधकों के दबाव को मान लिया उन्हें तो ऋण दे दिया जाता है वरना किसी भी लाभार्थी के इज्जत पर दाग लगाने में बैंक के प्रबंधकों को संकोच नहीं लगता है ईमानदार लाभार्थियों पर भी यह कहकर फाइल वापस कर दी जाती है कि इस आदमी व्यक्ति से ऋण जमा कराने में दिक्कत होगी बैंक की रकम डूब सकती है और यह लाभार्थी डिफाल्टर हो जाएगा इस तरह की बातें कर बैंक प्रबंधकों द्वारा केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को चौपट किया जा रहा है जिससे उद्योग धंधे लगाने वाले लाभार्थियों के धंधे नहीं सफल हो पा रहे हैं घूसखोरी में लिप्त तमाम शाखा प्रबंधकों के कारनामों को गंभीरता से लेना होगा और केंद्र प्रदेश सरकार के नियमों के अनुसार लाभार्थियों को ऋण वितरण कराए जाने में पूरा प्रयास करना होगा लेकिन लीड बैंक प्रबंधक भी शाखा प्रबंधकों के कारनामों पर अंकुश नही लगा पा रहे हैं और ना ही शाखा प्रबंधकों के कारनामों से वह शासन प्रशासन को अवगत करा कर उन्हें दंडित करा पा रहे हैं जिससे बैंक प्रबंधकों की मनमानी पर अंकुश लगता नहीं दिख रहा है शाखा प्रबंधकों की घूसखोरी के चलते ही लाभार्थी डिफाल्टर होते हैं और उनकी बैंक की किस्त समय से नहीं जमा हो पाती है यह गंभीर चिंतन का विषय है ताजा मामला करारी क्षेत्र का है खादी ग्राम उद्योग योजना के अंतर्गत उद्योग धंधा लगाने के लिए लाभार्थी ने बैंक में आवेदन किया उसकी पत्रावली पूर्वी ग्रामीण बैंक भेजी गई जहां से उसकी पत्रावली वापस कर दी गई फिर लाभार्थी ने बैंक ऑफ बड़ौदा करारी पत्रावली भेजी वहां से भी उसे निराश कर दिया गया जिस पर लाभार्थी ने जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी को पत्र देकर दूसरे बैंक में पत्रावली भेजने का अनुरोध किया है।

ऊनो गांव के खलिहान आराजी पर कब्जा खाली कराने में लेखपाल उदासीन

कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा ऊनो के सरकारी भूमि खलिहान आराजी संख्या 182 183 में कई लोगों ने अवैध तरीके से कब्जा कर रखा है अवैध कब्जा धारकों पर कार्यवाही करने के बजाय राजस्व लेखपाल उनसे वसूली कर मालामाल हो रहा है मामले की शिकायत धर्मराज पुत्र बैजनाथ निवासी कुलौली ऊनो समेत कई लोगों ने समाधान दिवस सहित अधिकारियों के कार्यालयों में शिकायती पत्र दिया जांच के नाम पर सरकारी खलिहान की भूमि को खाली कराने के बजाय लेखपाल शिकायतकर्ता का नाम बता कर कब्जा धारकों से दुश्मनी तैयार कर रहा है जिससे शिकायत करने वालों के हौसले भी टूट रहे हैं लेखपाल के कारनामे को संज्ञान लेते हुए और खलिहान की भूमि को खाली कराए जाने और कब्जा धारकों के साथ साठगांठ करने वाले लेखपाल पर कार्यवाही किए जाने की मांग लेकर धर्मराज ने फिर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया है बताते चलें कि सरकारी संपत्ति पर कब्जा को खाली कराए जाने के मामले में मंझनपुर तहसील प्रशासन उदासीन बना हुआ है जिससे लगातार सरकारी जमीनों पर कब्जे बरकरार हैं सरकार ने सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी तहसील के अधिकारियों को दी है 3लेकिन मंझनपुर तहसील के अधिकारी सरकारी संपत्ति के सुरक्षा के मामले में सफल होते नहीं दिख रहे हैं जिससे कब्जा धारकों के हौसले बुलंद हैं।

पुलिस वाहनों में नहीं लग सके हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने का निर्देश सरकार ने कई महीने पूर्व दिया है परिवहन विभाग ने इस संबंध में निर्देश जारी कर आम जनता को जानकारी दी है कि वह अपने वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाएं परिवहन अधिकारियों ने कहा कि हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट ना लगाए जाने पर भारी भरकम जुमार्ना चुकाना पड़ेगा तमाम लोगों ने अपने वाहन में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगा लिया है और जिन लोगों ने अपने वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगाया है जांच के दौरान यातायात पुलिस और थाना पुलिस उन वाहनों का चालान कर जुमार्ना वसूल रही है लेकिन हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट में पुलिस दोहरा मानक तय कर रही है आम जनता से जुमार्ना वसूलने वाली पुलिस खुद के वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगा सकी है पुलिस थाने के सरकारी वाहनों में अभी तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगाए गए हैं कौशांबी थानेदार के सरकारी वाहन में भी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लग सका है अब इन थाना पुलिस के वाहनों का चालान कौन करेगा अब सवाल उठता है कि योगी सरकार का

निर्देश का पालन जब खुद कौशांबी थानेदार नहीं कर रहे हैं तो वह आम जनमानस को कैसे कानून का पाठ पढ़ाएंगे कौशांबी थानेदार के सरकारी वाहन में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नही लगाए जाने के बाद भी वह उसी वाहन से प्रतिदिन सफर करते हैं फिर भी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाए जाने की कौशांबी कोतवाल ने कोशिश नहीं की है जिससे उनकी बड़ी लापरवाही उजागर हो रही है बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाएं सड़कों पर दौड़ रहे कौशांबी थानेदार के वाहन को क्या पुलिस अधिकारी चालान कर उनसे जुमार्ना वसूलेंगे।

करेला खाने के बाद क्या-क्या नहीं खाना चाहिए

करेला का सेवन करना आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। यह खाने में कड़वा जरूर होता है लेकिन कई बीमारियों को दूर रखने में भी ये सहायक होता है। करेला डायबिटीज मरीजों के लिए काफी लाभकारी साबित हो सकता है। इससे आपके शरीर में इंसुलिन का स्तर नियंत्रित रहता है। करेला पेट से जुड़ी समस्याओं, लीवर और अस्थमा के मरीजों के लिए भी काफी लाभकारी साबित हो सकता है। अगर आपको सुबह उठकर कब्ज, अपच और एसिडिटी की दिक्कत होती है, तो आपको करेला का चोखा या सब्जी का सेवन जरूर करना चाहिए। लेकिन क्या आपको पता है कि करेला खाने के बाद आपको कुछ खास चीजों का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। वरना ये आपके लिए स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। आइए ऐसे ही कुछ फूड्स के बारे में जानते हैं, जिसे आप करेला खाने के बाद नहीं खा सकते हैं।

करेला खाने के बाद क्या-क्या नहीं खाना चाहिए

1. दूध

करेला का सेवन करने के बाद आपको दूध का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे आपको पेट संबंधी समस्याएं हो सकती है। करेला खाने के बाद दूध पीने से पेट में कब्ज, दर्द और जलन की दिक्कत हो सकती है। इसके अलावा अगर आपको पहले से पेट से संबंधी परेशानियां है, तो ये आपके लिए और खतरनाक साबित हो सकता है।

2. मूली

करेले की सब्जी या चोखा खाने के बाद आपको मूली या मूली से बनी चीजों का सेवन भी नहीं करना चाहिए। इससे भी आपको तमाम तरह की परेशानियां हो सकती है। दरअसल मूली और करेले की तासीर अलग-अलग होती है, जिसकी वजह से ये पेट में जाकर रिएक्शन कर सकते हैं। इससे एसिडिटी और गले में कफ की शिकायत हो सकती है। खासकर अगर आपको पहले से सर्दी-जुकाम की दिक्कत है, तो आपको करेला के बाद मूली का सेवन नहीं करना चाहिए।

3. आम

करेला का स्वाद कड़वा होता है और आम खाने में मीठा होता है। करेला खाने के बाद आम खाने से आपके मुंह का टेस्ट खराब होता है। इनका सेवन साथ में या अलग-अलग करने से भी आपकी सेहत खराब हो सकती है। इससे आपके उल्टी, जलन, मतली और एसिडिटी की परेशानी हो सकती है। दरअसल इन दोनों चीजों को पचाने में समय लग सकता है।

4. दही

कई लोगों को खाने के साथ दही या छाछ पीने की आदत होती है। लेकिन अगर आप करेले की सब्जी या अन्य किसी व्यंजन ता सेवन कर रहे हैं, तो इससे आपको काफी नुकसान हो सकता है। इसमें पाए जाने वाला लैक्टिक एसिड करेले में पाए जाने वाला पोषक तत्व से क्रिया करके स्किन रैशेज और खुजली का कारण बन सकता है। इसलिए करेला खाने के बाद दही का सेवन बिल्कुल न करें।

5. भिंडी

करेला खाने के बाद भिंडी जैसी सब्जियों का सेवन भी नहीं करना चाहिए। इससे भी आपकी सेहत को नुकसान हो सकते हैं। भिंडी खाने से आपके शरीर को करेला के साथ भिंडी को पचाने में परेशानी आ सकती है।

भारत-नेपाल रिश्तों पर अग्निपथ की आंच

अग्निपथ योजना की घोषणा होने के 46 दिन बाद नेपाल की संसद में 26 जुलाई को पहली बार इसकी गूंज सुनाई दी थी। इससे पहले इसी कॉलम में अग्निपथ योजना पर छपे मेरे लेख का अनुवाद नेपाल की नयापत्रिका.कॉम ने प्रकाशित किया और माई रिपब्लिका नामक वेब-समाचार साइट ने अग्निपथ को कथित तौर पर 1947 में भारत, नेपाल और यूके के बीच हुई त्रिपक्षीय संधि का उल्लंघन बताया, जो कि सही अनुवाद पर आधारित नहीं था, फिर भी यह भ्रामक सूचना वहां काफी देर बनी रही। अप्रैल-मई में, गोरखा-भर्ती की बेतरह बाट जोह रहे नेपाल में फर्जी पोस्टर लगे, जिसमें भर्ती की तारीखें तक बताई गईं, लेकिन एक बार भारत सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से अग्निपथ योजना के बारे में बताए जाने के बाद भी नेपाली युवकों में इसको लेकर असमंजस रहा कि आईंदा भारतीय रेजीमेंटों में उनको लिया जाएगा कि नहींङ्क नई भर्ती योजना को लेकर अज्ञान इस कदर था ।स्पष्ट है कि न तो भारत ने अग्निपथ पर नेपाल से सलाह-मशविरा किया, न ही यह बताया कि यह गोरखाओं पर लागू होगी या नहीं, जबकि भारत का दावा है कि नेपाल के साथ संबंध विशिष्ट हैं। इस किस्म के कामों से पुराने आरोपों को बल मिल सकता है कि भारत नेपाल को हल्के में लेता है ।केपी ओली के नेतृत्व वाली यूएमएल की वामपंथी सरकार में रक्षा मंत्री और उप-प्रधानमंत्री रहे भीम रावल ने नेपाली संसद में अग्निपथ योजना की खामियों को गिनाते हुए नेपाल से वादाखिलाफी ठहराया और त्रिपक्षीय संधि को निरस्त करने की मांग की क्योंकि इसका उल्लंघन हुआ हैङ्क केवल चार साल का सेवाकाल, सेवामुक्ति के बाद कोई अन्य फायदा नहीं और चार सालों के दौरान किसी भी समय सेवाच्युत करने वाला प्रावधान जैसी बातें अखरने वाली बताईं। यह भी कहा कि ऐसा होने से ब्रिटिश सेना में गोरखाओं को लेकर भी गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं, इस मुद्दे पर न्याय के लिए पहले ही विवाद जारी है। रावल जैसी शख्सियत का ऐसा कहना न तो अग्निपथ योजना और न ही त्रिपक्षीय संधि पर तथ्यात्मक रूप से सही था ।1947 के बाद भारत और नेपाल के बीच हुईं अनेक संधियों में उपरोक्त वर्णित त्रिपक्षीय संधि भी एक है, 'गोरखा सिपाहियों की भर्ती पर सहमति ज्ञापन' नामक इस संधिपत्र पर 1 मई 1947 को हस्ताक्षर हुए। इसके तीन अनुबंध हैं = प्रथम, भारत-यूके द्विपक्षीय संधि, दूसरा द्विपक्षीय संधि पर नेपाल का नजरिया व तृतीय भारत और यूके में गोरखाओं को रोजगार पर नेपाल की सिफारिशें। उस वक्त नेपाल ने तीन मांगें रखी थीं =पहली, गोरखा सिपाहियों का इस्तेमाल गोरखा एवं हिंदू समुदाय के विरुद्ध नहीं किया जाएगा और समान व्यवहार यानी गोरखा और भारतीय सेना के बीच भेदभाव नहीं किया जाएगा। द्वितीय, गोरखा सिपाहियों का नेतृत्व गोरखा अफसर ही करेगा और तीसरी गोरखा सिपाहियों को भाड़े के सैनिकों की तरह नहीं लिया जाएगा। 1950 की 'शांति एवं मैत्री संधि' ने भारत में नेपाली नागरिकों के काम करने के अधिकार और समानता वाले व्यवहार को पुन: सुदृढ़ किया। लेकिन संधि के किसी भी अनुबंध में भर्ती या अन्य फायदों को लेकर विशिष्ट रूप से कोई संदर्भ नहीं। रावल पहले ऐसे वामपंथी नेपाली नेता नहीं हैं जिन्होंने भारतीय सेना में नेपालियों की भर्ती का विषय उठाया हो। 1990 में माओवादियों द्वारा इस मुद्दे को अपने 40 सूत्रीय मांग पत्र में शामिल किए बाद से ही यह बिंदु राजनीतिक खेल का हिस्सा बना हुआ है ।काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने नेपाल सरकार से आगामी 7 सितंबर को बुतावल में और 18 सितंबर से धारन में शुरू होने वाले भर्ती अभियान के लिए इजाजत मांगी थी जिसे नेपाल ने फिलहाल अस्थाई तौर पर रोकने को कहा है। इसी बीच, दूतावास के रक्षा विभाग ने अंतरिम सूचनाओं में कहा कि नेपाल सरकार के अनुमोदन के बाद शीघ्र ही भर्ती रैलियां आयोजित की जाएंगी।

अग्निपथ योजना का असर नेपाल पर बहुत ज्यादा होने वाला है। 35000 कार्यरत गोरखा सैनिकों का वेतन और 1.35 लाख पूर्व नेपाली सैनिकों को मिलने वाली पेंशन, यह मद लगभग 62 करोड़ डॉलर बनती है और नेपाल के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 3 प्रतिशत है। जबकि नेपाल का कुल रक्षा बजट ही 43 करोड़ डॉलर है। अग्निपथ योजना से नेपाली अर्थव्यवस्था में हर साल होने वाली इस महत्वपूर्ण धनराशि की आमद बुरी तरह प्रभावित होगी और इससे रोजगार असुरक्षा बनेगी। मानद सूबेदार मेजर खेम जंग गुरूंग, जो जनता समाजवादी पार्टी नेपाल की केंद्रीय कमेटी के सदस्य होने के अलावा नेपाल भूतपूर्व सैनिक एवं पुलिसकर्मी संघ के अध्यक्ष भी हैं, उनका एक ऑडियो क्लिप हाल ही में नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में हुए सेमिनार में सुनाया गया, जिसमें उन्होंने कहा ='अग्निपथ योजना का असर सैन्य और कूटनीतिक रिश्तों पर पड़ सकता है। उन्होंने इस योजना के क्रियान्वयन, प्रभावशीलता और गोरखाली मनोबल में हुए तात्कालिक ह्रास की तसदीक की। अल्पकालीन सेवाकाल और पेंशन न होने की वजह से केवल दोयम दर्जे के युवा ही भारतीय सेना में आना पसंद करेंगे। यह योजना नेपाल की अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाएगी और पूर्व सैनिकों का सामाजिक रुतबा जाता रहेगा'। उन्होंने सुगौली संधि और इसके अतिक्रमण का भी जिक्र किया, हालांकि 'कैसे हुआ' यह नहीं बताया। गुरूंग ने आगे कहा ='सेवानिवृत्त हुए अग्निवीर भारत विरोधी गतिविधियां शुरू कर सकते हैं, हो सकता है कि वे भारत-विरोधी माओवादी गुटों से जा मिलें। लेकिन सबसे अधिक चिंताजनक असर नेपाल और भारत के बीच राजनयिक संबंधों पर पड़ेगा' ।इस सेमिनार में मेजर जनरल गोपाल गुरूंग ने कहा कि चीन इसको मौका जानकर लपकेगा और हो सकता है सामरिक नीति के अंग के तौर पर भारत के सामने खड़े होने के लिए अपनी सेना में गोरखाओं की भर्ती करने की कोशिशें फिर से करे। चीन गोरखाओं की बहादुरी के इतिहास से पहले ही विस्मित है। 1962 के युद्ध में बंदी बनाए भारतीय सैनिकों में गोरखा सिपाहियों को छांटकर अलग किया गया था और उनके साथ काफी अच्छा व्यवहार किया था। 2020 में, चीन ने इस बात को लेकर सर्वेक्षण करवाया कि वह क्या चीज़ है जो नेपालियों को भारतीय सेना में भर्ती करने के लिए प्रेरित करती है। अब यदि कुछ सेवानिवृत्त अग्निवीरों को बरगला ले तो इनका इस्तेमाल वह भारतीय सेना के गोरखों को तोड़ने में कर सकता है।

पोखरा में रहने वाले भारतीय सेना के एक पूर्व सैनिक का कहना है कि अग्निवीर योजना का असल परिणाम चार साल पूरे होने के बाद ही पता चलेगा जब गोरखा सिपाही कहीं और काम न पाकर सामान्य रोजगार मंडी में जद्दोजहद करेंगे ।अंतिम भय यह बनेगा कि नेपाल में बड़ी संख्या में रहने वाले भारतीय सेना के पूर्व सैनिकों के भारत पर विश्वास और लगाव में दरारें आएंगी, अन्यथा इन्हीं की वजह से नेपाल में भारत के प्रति चाव कायम रहा और चीनी चालों को मात मिलती रही। राजदूत राय कहते हैं ='भारत को करना यह चाहिए कि सेवानिवृत्त हुए नेपाली अग्निवीरों का हाथ ठीक उसी प्रकार थामे जैसे भारतीय समकक्षों के साथ करेगा ताकि उनकी तरह नया हुनर सीखकर अन्य रोजगार पाने लायक बनें'। उन्होंने भी माना कि अग्निपथ योजना से द्विपक्षीय संबंध पर असर पड़ेगा। इससे सैन्य आधार, गोरखाओं से भारत के विशिष्ट ऐतिहासिक रिश्तों में कमी आएगी।

सम्पादकीय

न्याय के लक्ष्य

पिछले कुछ वर्षों में महामारी के दौर में जहां जनजीवन गहरे तक प्रभावित रहा, वहीं न्यायिक प्राथमिकताएं भी इसके चलते सिरे नहीं चढ़ सकीं। अब इस दिशा में देश की शीर्ष अदालत ने पहल की है। देश के 49वें मुख्य न्यायाधीश यू.यू. ललित ने कार्यभार संभालने के पहले ही दिन लंबित महत्वपूर्ण विषयों को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष रखने का फैसला किया है। ये वे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो हाल के दिनों में न्यायिक विमर्श में नहीं आ पाये। जो यह रेखांकित करता है कि सुप्रीम कोर्ट महज अपीलीय अदालत ही नहीं है वरन महत्वपूर्ण मुद्दों के संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्याकार भी है। भारत के नये मुख्य न्यायाधीश जस्टिस यू.यू. ललित के पदभार संभालने के तुरंत बाद सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था में बदलाव का संकेत महत्वपूर्ण है। मामलों में त्वरित सुनवाई के लिए अब एक सितंबर से नयी व्यवस्था लागू कर दी जायेगी। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान न्यायाधीश का कार्यकाल छोटा है, लेकिन उनकी प्राथमिकता न्याय के दीर्घकालीन लक्ष्यों को लेकर केंद्रित है। उनका मानना है कि अदालत की संविधान पीठ पूरे वर्ष कार्य करेगी ताकि महत्वपूर्ण मामलों में व्यवस्था देने में विलंब न हो। बताया जाता है कि शीर्ष अदालत के सामने ऐसे पांच सौ मामले लंबित हैं, जिनमें से 41 मामले अधिक महत्वपूर्ण हैं। संविधान पीठ के सामने ये महत्वपूर्ण मुद्दे प्राथमिकता के तौर पर रहेंगे जिसमें अनुच्छेद 370 पर फैसले की संवैधानिकता पर विचार भी शेष है। इसमें दो राय नहीं है कि शीर्ष अदालत समेत देश की तमाम अदालतें लंबित मामलों से दबाव में हैं। देश की शीर्ष अदालत को ही लें तो उसके समक्ष लंबित मामलों की संख्या 71 हजार से अधिक हो गई है। हालांकि हाल के वर्षों में न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों में आशातीत वृद्धि हुई है। फिर भी निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण ने भी सभी महत्वपूर्ण लंबित मामलों को सूचीबद्ध न कर पाने पर खेद जताया है। लेकिन उन्हें इस बात का श्रेय दिया जाता है कि महामारी के मुश्किल दौर में कॉलेजियम की सिफारिश पर उच्च न्यायालयों में ढाई सौ से अधिक न्यायाधीशों की नियुक्ति हुई ।निस्संदेह देश की अदालतों में वादों के भारी बोझ को देखते हुए इनके निस्तारण हेतु कारगर व्यवस्था करने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जाती रही है। इसके लिये जरूरी है कि विभिन्न स्तरों पर न्यायाधीशों व न्यायिक अधिकारियों की रिक्तियों को तुरंत भरा जाये। साथ ही बुनियादी ढांचे में व्याप्त उन कमियों को दूर किया जाये, जिसके चलते न्यायालयों में लंबित मुकदमों का भारी दबाव बना हुआ है। न्याय की अवधारणा तभी सार्थक होती है जब वादी को सहज-सरल व समय पर न्याय उपलब्ध हो सके। न्याय के त्वरित निस्तारण में आधुनिक तकनीकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इस दिशा में कारगर कदम उठाने की जरूरत है। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने ओपन कोर्ट की अवधारणा का उल्लेख किया था। इसी क्रम में संवैधानिक अथवा राष्ट्रीय महत्व के मामलों के सीधे प्रसारण को संविधान पीठ के समक्ष अनुमति दी गई थी। लेकिन यह निर्णय क्रियान्वित नहीं हो पाया। लेकिन शीर्ष अदालत ने पहली बार इस दिशा में पहल की जब मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण की विदाई वाली औपचारिक पीठ की कार्यवाही के सीधे प्रसारण की अनुमति दी गई। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में छह उच्च न्यायालय अपनी न्यायिक कार्यवाही का सीधा प्रसारण करते हैं। बहरहाल, मौजूदा परिदृश्य में आम आदमी को शीघ्र व सहज न्याय दिलाने के लिये न्यायिक तंत्र व सरकार को सार्थक प्रयास करने होंगे। साथ ही अदालतों के मुकदमों के बोझ को कम करने के लिये व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। बढ़ती आबादी के अनुपात में न्यायाधीशों के पदों का होना जरूरी है। व्यावहारिक पहल में अवकाश प्राप्त न्यायाधीशों का सहयोग लेने, दो पाली में अदालत लगाने, फास्ट ट्रेक कोर्ट की स्थापना, लोक अदालत जैसे कदमों को प्राथमिकता देनी होगी। जिसमें आधुनिक तकनीकों की प्राथमिकता को भी न्यायमूर्ति एनवी रमण उपयोगी बता चुके हैं।

निस्तारण के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति जरूरी

कूड़े के पहाड़ कहें या ढेर आज समूची दुनिया की समस्या बन चुके हैं। अपने देश को ही लें, हमारे देश के शहरों में से ही सालाना 6.2 करोड़ टन से भी ज्यादा कूड़ा निकलता है। कोई शहर इस समस्या से अछूता नहीं है। सरकार की ही मानें तो हर साल इसमें 1.3 फीसदी से भी अधिक की दर से बढ़ोतरी हो रही है। इसके चलते ही देश में कूड़े की समस्या ने भयावह रूप अख्तियार कर लिया है। यह समस्या उस हालत में है जबकि कूड़े के निस्तारण के लिए देश में व्यवस्थित रूप से सरकारी विभाग हैं, हजारों कार्यालय हैं और पूरे लाव-लश्कर व तामझाम के साथ लाखों की तादाद में सरकारी और स्थानीय निकायों के कर्मचारी हैं ।अब तो हालात ये हैं कि देश के पहाड़ी इलाके जो सैरगाहों के लिए मशहूर थे और तीर्थस्थल जहां आस्था के वशीभूत तीर्थ यात्री दर्शनों हेतु जाकर खुद को धन्य समझते थे, वहां भी जगह-जगह ढलानों-जंगलों व निचली खाली पड़ी जगहों पर कूड़े के ढेर लगे हैं। आदि कैलाश इसका जीता-जागता सबूत है जहां से केवल चार महीनों में ही 500 किलो से ज्यादा कूड़ा-कचरा निकाला जा चुका है। पर्यटन को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीति के चलते खुले होटलों-रिसॉर्टों ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई है। यहां आने वाले पर्यटकों-तीर्थ यात्रियों द्वारा छोड़ी गई प्लास्टिक की बोतलों, पॉलिथीन, पैक्ड फूड की थैलियों सहित होटलों-रिसॉर्टों का कचरा दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है ।देश की राजधानी दिल्ली के लिए तो कूड़े के पहाड़ एक भीषण समस्या बन चुके हैं। लाख कोशिशों के बावजूद इन कूड़े के पहाड़ों पर कूड़ा कम होने के बजाय दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है। यहां कूड़ा कम किये जाने की दिशा में सरकारी प्रयास अभी तक नाकाफी ही साबित हुए हैं। इसका सबूत है बीते साल की तुलना में इस साल यहां पर अभी तक कूड़े की मात्रा में 851 टन की बढ़ोतरी होना जबकि साल 2024 के मार्च माह तक इन तीनों-गाजीपुर, भलस्वा और ओखला लैंडफिल साइटों को साफ कर दिए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। मौजूदा हालात तो इसकी गवाही नहीं देते कि मार्च, 2024 तक यह लक्ष्य पूरा कर लिया जायेगा। दरअसल, दिल्ली के इन कूड़े के पहाड़ों से जितना कचरा रोज निपटाया जाता है, उससे करीब 400 टन से ज्यादा नया कचरा रोज आ जाता है। दरअसल, इन तीनों लैंडफिल साइटों पर इनकी क्षमता पूरी होने के बावजूद कूड़ा पड़ना निर्बाध गति से जारी है, उस पर कोई अंकुश नहीं है। क्योंकि सरकार लाख कवायद के बावजूद इसका विकल्प ढूंढ़ पाने में नाकाम रही है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, देश की राजधानी दिल्ली से रोजाना निकलने वाला 54 फीसदी कूड़ा इन्हीं कूड़े के पहाड़ों पर डाला जा रहा है जिसके चलते इन लैंडफिल साइटों पर पड़ने वाले कूड़े की मात्रा में 851 टन का इजाफा हो गया है। राजधानी दिल्ली में रोजाना करीब 7 हजार मीट्रिक टन कूड़ा-कचरा निकल रहा है। जबकि इसमें से अधिकांशत: प्लास्टिक, कागज, गत्ते के टुकड़े, धातु आदि को कचरा बीनने वाले निकाल कर बेच देते हैं। शेष करीब 30 फीसदी कूड़े-कचरे का ढंग से निस्तारण कर पाना दिल्ली के तीनों नगर निगमों के लिए टेढ़ी खीर है। बंदिश के बावजूद आज भी करीब 585 टन प्लास्टिक कचरा रोजाना निकल रहा है। इनमें से मेडिकल और इलेक्ट्रिक कचरा पर्यावरण में और जहर घोल रहा है।

वहीं इन कूड़े के पहाड़ों पर आग लगने की घटनाएं आम हो गयी हैं। इनके आसपास के इलाके की हवा की गुणवत्ता इतनी प्रभावित हो चुकी है जिससे जहरीली हो चुकी हवा से वहां के रहने वाले लोगों का जीना दूभर हो गया है। पर्यावरण तो प्रभावित हुआ ही है, प्रदूषण बढ़ रहा है सो अलग। इससे समीपस्थ इलाके के लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और वे श्वांस, अस्थमा, पेट, लीवर, आंत्रशोथ, हैजा, फेफड़े व जलजनित आदि जानलेवा बीमारियों के शिकार हो अनचाहे मौत के मुंह में जा रहे हैं। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों और बूढ़ों पर पड़ रहा है। पांच साल तक के बच्चों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। आंखों में जलन की समस्या तो आम बात है। भूजल प्रदूषित हो रहा है सो अलग। चिकित्सकों की मानें तो जिन लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, उनको कूड़े से अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

आज से करीब चार-पांच बरस पहले एक अध्ययन में आशंका व्यक्त की गयी थी कि 2021 में दिल्ली में कूड़े की मात्रा 16 हजार मीट्रिक टन हो जायेगी। चार-पांच बरस पहले एक अध्ययन के मुताबिक पूरे देश में अनुमानत: सालाना 44 लाख टन प्लास्टिक कूड़ा निकलता है। असलियत में कूड़े-कचरे के जन्मदाता भी हम ही हैं। हम इसे अपने जीवन से अलग नहीं कर सकते। वह बात दीगर है कि इसका जन्म ही अव्यवस्था से होता है और इसकी समस्या व्यवस्था से जुड़ी है। इसे नकारा नहीं जा सकता। यह भी कि इसके निपटान के लिए सरकार की संवेदनशीलता और प्रबल इच्छा शक्ति बेहद जरूरी है।

जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हुए मिशेल मार्श

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिशेल मार्श टखने की चोट के कारण जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। मार्श के बाहर होने पर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा कि मिचेल का बाहर होना हारना निराशाजनक है, लेकिन आगामी टी20 विश्व कप के लिए फिटनेस सर्वोपरि है, जहां टीम को उनकी सेवाओं की आवश्यकता होगी। Cricket.com.au ने स्मिथ के हवाले से कहा, मिच के लिए यह निराशाजनक है लेकिन कुछ बहुत महत्वपूर्ण चीजें सामने आ रही हैं। मार्श को टाउन्सविले में जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच के दौरान चोट लगी थी। यह मैच ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट से जीता था। मार्श अब वापस घर लौटेंगे, भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए उनके उपलब्ध होने की संभावना है, जो 21 सितंबर से शुरू होगी। विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंगलिस मार्श की जगह अब ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल होंगे। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरा एकदिनी बुधवार को टाउन्सविले में खेला जाएगा। सीरीज का आखिरी मैच 3 सितंबर को खेला जाएगा। इंगलिस वर्तमान में लंदन स्पिरिट का हिस्सा हैं, जो द हंड्रेड 2022 के फाइनल में जगह बनाने के लिए होड़ में हैं। वह ग्लेन मैक्सवेल के स्थान पर स्पिरिट में शामिल हुए थे और राष्ट्रीय टीम में बुलाए जाने से पहले केवल एक मैच खेला था।

यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंची सेरेना विलियम्स

न्यूयॉर्क। सेरेना विलियम्स ने यूएस ओपन में अपने पहले दौर का मैच जीत लिया है, जो संभवतः रिटायर होने से पहले उनका आखिरी टूर्नामेंट हो सकता है। विलियम्स ने मोंटेनेग्रो की डंका कोविनिक के खिलाफ 6-3, 6-3 से जीत दर्ज की। दर्शकों से खचाखच भरा हुआ आर्थर ऐश स्टेडियम 23 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन के समर्थन में वी लव सेरेना के नारों से गूंज रहा था। स्टेडियम में उपस्थित नामी लोगों में माइक टायसन, ग्लेडिस नाइट और पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन शामिल थे। सेरेना की 4 साल की बेटी भी गेस्ट बॉक्स में थी। विलियम्स दूसरे दौर में एस्टोनियाई खिलाड़ी एनेट कोंटेविट से भिड़ेंगी। इस जीत के साथ, विलियम्स ओपन एरा में किशोरावस्था, 20, 30 और 40 की उम्र में मैच जीतने वाली चौथी महिला बन गईं। इसी के साथ सेरेना, वीनस विलियम्स, हॉल ऑफ फेमर मार्टिना नवरातिलोवा और जापान की किमिको डेट जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गईं, जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है।

विलियम्स ने टीवी पर्सनैलिटी गेल किंग के साथ कोर्ट पर अपने इंटरव्यू के दौरान दर्शकों से कहा, मुझे हमेशा सबसे अच्छा करना होता है जो मैं कर सकती हूं। मैं इस कोर्ट पर और यहां सबके सामने बहुत सहज महसूस करती हूं। जब मैं कोर्ट पर जाती हूं तो बस वह सर्वश्रेष्ठ करना चाहती हूं जो मैं उस खास दिन कर सकती हूं।

एफसी गोवा ने बेंगलुरू एफसी को 2-2 से बराबरी पर रोका

कोलकाता। एफसी गोवा की युवा टीम ने सुनील छेत्री की अगुवाई वाली बेंगलुरु एफसी को यहां ग्रुप ए के एक रोमांचक मैच में 2-2 से ड्रॉ पर रोका लेकिन इसके बावजूद वह डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर हो गई। मौजूदा चैंपियन गोवा की टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद दूसरे हाफ में शानदार वापसी की। उसकी तरफ से फ्रांगकी बुआम (53वें मिनट) और लेस्ली रेबेलो (64वें मिनट) ने गोल किए। इससे पहले बेंगलुरू एफसी की तरफ से सुनील छेत्री (24वें मिनट) और एन शिवा शक्ति (26वें मिनट) ने पहले हाफ में गोल किए थे। गोवा की टीम ने चार अंकों के साथ डूरंड कप में अपने अभियान का समापन किया जबकि बेंगलुरू के तीन मैचों में सात अंक हैं। बेंगलुरू एफसी दो सितंबर को मोहम्मडन स्पोर्टिंग का सामना करेगा जिससे ग्रुप ए के विजेता का फैसला भी होगा।

वर्ष 2022 महिला क्रिकेट टीम के लिए अच्छा रहा है : स्मृति मंधाना

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस लय को आगे बढ़ाने और अच्छे परिणाम देने के लिए तैयार है। भारतीय टीम का अगला मुकाबला अब इंग्लैंड से होगा। दोनों टीमों के बीच तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। दोनों टीमों के बीच पहला टी-20 10 सितंबर को रिवरसाइड ग्राउंड में खेला जाएगा।

मंधाना ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा , 'वर्ष 2022 महिला क्रिकेट टीम के लिए अच्छा रहा है, और हम इंग्लैंड के आगामी भारत दौरे के साथ इस गति को जारी रखने की उम्मीद कर रहे हैं। हम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के बाद उत्साहित हैं, हम आगामी श्रृंखला में भी अपनी सफलता को दोहराने की कोशिश करेंगे।' बहुप्रतीक्षित सीरीज में एक बार फिर भारतीय महिला टीम की परीक्षा होगी जो इंग्लैंड को उनके घरेलू मैदान पर हराने की कोशिश करेगी।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है-

भारत की टी-20 टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, रेणुका ठाकुर, मेघना सिंह, राधा यादव, सबिनेनी मेघना, तानिया सपना भाटिया (विकेटकीपर), राजेश्वरी गायकवाड़, दयालन हेमलता, सिमरन दिल बहादुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर) के.पी. नवगिरे।

भारत की वनडे टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, सबिनेनी मेघना, दीप्ति शर्मा, तानिया सपना भाटिया (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, रेणुका ठाकुर, मेघना सिंह, राजेश्वरी गायकवाड़, हरलीन देओल, दयालन हेमलता, सिमरन दिल बहादुर, झूलन गोस्वामी, जेमिमा रोड्रिग्स।

इलाहाबाद स्पोर्टिंग फुटबाल अकादमी को दोहरा खिताब

प्रयागराज। खेल दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता में इलाहाबाद स्पोर्टिंग फुटबाल अकादमी ने अंडर-13 और अंडर-17 आयु वर्ग में खिताबी जीत दर्ज की है। मेजर ध्यानचंद की याद में एंग्लो बंगाली इंटर कालेज मैदान पर मंगलवार को सम्पन्न हुए अंडर-17 आयु वर्ग के फाइनल में इलाहाबाद स्पोर्टिंग फुटबाल अकादमी ने इलाहाबाद टाइगर्स को 3-2 से हराया। विजेता टीम के अश्विन भारतीय, मो. अजीज़ और सुजल अग्रहरी ने गोल किया। पराजित टीम के अनुराग यादव ने गोल किया। जूनियर वर्ग अंडर-13 के फाइनल में इलाहाबाद स्पोर्टिंग फुटबाल अकादमी ने एबीआईसी को 7-6 से हराया। अकादमी के लिए ताहा अली, वैभव श्रीवास्तव, आदर्श तिवारी, मो. अरीब, तन्मय साहु, अभिषेक कुमार और सुमित मौर्य ने तथा एबीआईसी के लिए मो. मुकर्रम, केशव, कृष्णा केसरवानी, युसूफ काज़मी, हारिस अली और विख्यात ने गोल किया। मैच से पूर्व डीएफए के अध्यक्ष नारायणजी गोपाल और सचिव मक़बूल अहमद ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। अकादमी के सचिव विप्लब घोष ने पुरस्कार वितरित किया। संचालन अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक शादाब रजा ने किया। इस मौके पर अकादमी के कोषाध्यक्ष संजीव चंदा, सुरेंद्र कुमार और अम्बर जायसवाल उपस्थित रहे।

टी-20 विश्व कप में अधिक स्वतंत्रता के साथ खेलना चाहता हूं : स्टीव स्मिथ

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि वह टी-20 विश्व कप में अधिक स्वतंत्रता के साथ खेलना चाहते हैं। पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में खेले गए टी 20 विश्व कप में अनुभवी बल्लेबाज स्मिथ का स्ट्राइक रेट 97.18 का था, जो कि इस प्रारूप के हिसाब से खराब ही कहा जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस साल पल्लेकेले में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी 20 मैच के दौरान नाबाद 37 रन बनाए। संयोग से, उनका करियर स्ट्राइक रेट 125.78 का है। सबसे छोटे प्रारूप में टीम में स्मिथ का स्थान बना पाना मुश्किल दिख रहा है, क्यों मिशेल मार्श अब नंबर तीन पर नियमित हो गए हैं और नंबर चार के लिए टिम डेविड रेस में सबसे आगे हैं।

स्मिथ ने टाउन्सविले के रिवरवे स्टेडियम में संवाददाताओं से कहा, मुझे ऐसा लगता है कि जब मैं अच्छा टी20 क्रिकेट खेल रहा होता हूं, तो मैं निश्चित रूप से टीम में होता हूं। पिछले कुछ वर्षों में मुझे जो भूमिका दी गई थी, वह 'मिस्टर फिक्स इट' भूमिका है और वह टैग अब मुझसे छीन लिया गया है। उन्होंने आगे कहा, श्रीलंका के खिलाफ मुझे लगा कि मैं बाहर जा सकता हूं और बस बहुत अधिक स्वतंत्रता और स्वाभाविक रूप से खेल सकता हूं। मेरे दिमाग में किसी तरह की झिझक नहीं है। मैं बस खेल को आगे बढ़ा रहा हूं। अगर मैं चाहता हूं पहली गेंद पर छक्का लगाऊं तो वह अब खुलकर कर पा रहा हूं।

इस बीच, स्मिथ ने बीबीएल में खेलने वाले स्थानीय ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का भी समर्थन किया और कहा कि लीग की प्राथमिकता घरेलू क्रिकेटरों के हितों की देखभाल होनी चाहिए। बीबीएल ड्राफ्ट प्रक्रिया शुरू होने से पहले, शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेटरों और विदेशी क्रिकेटरों की कमाई के बीच अंतर को लेकर स्थानीय खिलाड़ियों में काफी असंतोष था।जब नया समझौता ज्ञापन तैयार किया जाएगा तो इसमें बदलाव होने की संभावना है, लेकिन स्मिथ ने कहा कि कुछ खिलाड़ी इस सीजन में मिलने वाले पारिश्रमिक के संबंध में 'थोड़ा निराश' हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है ड्राफ्ट दिलचस्प है, मुझे नहीं पता कि आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। दुनिया भर के टूर्नामेंटों के संदर्भ में, आपको सबसे महत्वपूर्ण रूप से अपने स्थानीय खिलाड़ियों की देखभाल करनी होगी। और आने वाले कुछ खिलाड़ियों को देखकर मुझे पता है कि कुछ स्थानीय खिलाड़ी, जो बड़े खिलाड़ी हैं, टूर्नामेंट के लिए पारिश्रमिक के मामले में थोड़े निराश हैं। मुझे लगता है कि आपके स्थानीय खिलाड़ियों को खुश रखने के लिए एक रास्ता निकालना होगा।स्मिथ को खुद सिडनी सिक्सर्स के साथ अनुबंध की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने अब तक इस सौदे को स्वीकार नहीं किया है। स्मिथ ने कहा, मैं इस समय अपने विकल्प खुले रख रहा हूं, कुछ चीजें हैं जो मैं संभवतः कर सकता हूं। मैं देखूंगा कि क्या होता है।

एशियाई पुरुष अंडर-20 वॉलीबॉल चैम्पियनशिप : भारत ने जीता रजत पदक

20 साल के अंतराल के बाद 17 एशियाई देशों के बीच जीता पदक

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष अंडर-20 टीम ने बहरीन के रिफा में आयोजित 21वीं एशियाई वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में रजत पदक हासिल किया। भारतीय टीम स्वर्ण पदक मुकाबले में ईरान से 3-1 से (12-25, 19-25, 25-22, 15-25) हार गई। भारत ने 20 साल के अंतराल के बाद 17 एशियाई देशों के बीच चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया।

भारतीय टीम के कप्तान दुष्यंत सिंह जाखड़ को 'बेस्ट ब्लॉकर ऑफ एशिया अवार्ड' से सम्मानित किया गया, जबकि कार्तिकेयन को एशियाई वॉलीबॉल परिसंघ द्वारा 'बेस्ट लिबरो ऑफ एशिया अवार्ड' से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही भारतीय अंडर -20 वॉलीबॉल टीम ने एफआईवीबी वॉलीबॉल मेन्स यू 21 वर्ल्ड चैंपियनशिप 2023 के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

पूरे टूर्नामेंट के दौरान टीम के कप्तान दुष्यंत सिंह जाखड़, अमन कुमार, तनिश, समीर चौधरी, अजीत शेखो, हर्षित गिरी, सचिन डागर और लिबरो कार्तिकेयन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। भारतीय टीम द्वारा रजत पदक हासिल करने पर प्रो. (डॉ.) अच्युत सामंत, (संसद सदस्य और अध्यक्ष, वीएफआई), रामावतार सिंह जाखड़ (कार्यकारी उपाध्यक्ष - सीजेड, एवीसी), अनिल चौधरी (महासचिव) और सुनील तिवारी (कोषाध्यक्ष और सदस्य वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया) ने सभी खिलाड़ियों और कोचों को उनके जबरदस्त और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

झूलन को लेकर भावुक हुई भारतीय कप्तान हरमनप्रीत, बोलीं- उनकी जगह भरना नामुमकिन

बेंगलुरू। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने क्रिकेट में झूलन गोस्वामी के योगदान को याद करते हुए कहा कि इस अनुभवी तेज गेंदबाज का खेल के प्रति जुनून बेजोड़ है और टीम में कोई भी उनकी जगह नहीं भर सकता है। पिछले दो दशक से भारतीय गेंदबाजी की अगवा रही 39 वर्षीय झूलन 24 सितंबर को इंग्लैंड के खिलाफ लार्ड्स में तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच खेल कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। झूलन के नाम पर अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। हरमनप्रीत ने टीम के इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होने की पूर्व संध्या पर मीडिया से बातचीत में कहा कि वह प्रत्येक मैच में उसी तरह के जुनून के साथ उतरती हैं जो कि बेजोड़ है। कोई उनका मुकाबला नहीं कर सकता। हरमनप्रीत ने विश्व कप 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ झूलन की कप्तानी में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उनकी इस दिग्गज भारतीय तेज गेंदबाज के साथ कई यादें जुड़ी हैं जिनके नाम पर 201 वनडे में रिकॉर्ड 252 विकेट दर्ज हैं।

राशिद खान की बांग्लादेश के खिलाफ शानदार गेंदबाजी, टिम साउथी को छोड़ा पीछे

शारजाह। अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान एशिया कप ग्रुप बी मैच में 3/22 के शानदार स्पैल के बाद पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल गेंदबाजी चार्ट में नंबर 2 पर पहुंच गए जिसने यहां बांग्लादेश को सात विकेट से हरा दिया। शुरुआती गेम में श्रीलंका के खिलाफ जीत के बाद यह टूर्नामेंट में अफगानिस्तान की लगातार दूसरी जीत थी। राशिद खान न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउथी को भी पीछे छोड़ते हुए बांग्लादेश पर जीत के दौरान पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। आईसीसी के अनुसार लेग स्पिनर ने प्रारूप में 112 विकेट के साथ मैच की शुरुआत की थी और मुशफिकुर रहीम, अफिफ हुसैन और महमुदुल्लाह के विकेट लिए लेकर विकेटों की संख्या 115 कर दी।

साउथी मैच से पहले 114 विकेट लेकर विकेट लेने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर थे। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन ने 122 विकेट के साथ अपने रिकॉर्ड को कायम रखा है, जो पुरुषों के खेल में किसी द्वारा सबसे अधिक है और वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेटर अनीसा मोहम्मद के बाद सभी टी20आई में दूसरा सर्वश्रेष्ठ है। राशिद का अब तक का एक उल्लेखनीय टी20 इंटरनेशनल करियर रहा है जिसका औसत 13.73 है और प्रारूप में 68 मैचों के बाद 6.16 की इकॉनमी दर है। उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में छह बार एक पारी में चार या अधिक विकेट लिए हैं जो फिर से पुरुषों के खेल में संयुक्त रूप से सबसे अधिक है।

मुजीब उर रहमान के प्रभावशाली तीन विकेट के बाद राशिद के स्पेल ने अफगानिस्तान को 20 ओवरों में बांग्लादेश को 127/7 तक सीमित करने में मदद की। हालांकि इसके बाद अफगानिस्तान के लिए नजीबुल्लाह ज़दरान की नाबाद 17 गेंदों में 43 रनों की शानदार पारी ने जीत दर्ज करने में मदद की और एशिया कप 2022 में ग्रुप बी के शीर्ष पर अपनी स्थिति स्थापित की और अगले दौर के लिए योग्यता सुनिश्चित की।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट में महान खिलाड़ियों को मैदान पर देखना अच्छा लगता है : कपिल देव

चंडीगढ़। भारतीय क्रिकेटर कपिल देव ने कहा कि लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के साथ जुड़ना और दिग्गजों को फिर से खेलने के लिए मैदान पर वापस देखना अद्भुत है। लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) का दूसरा संस्करण भारत में 17 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होगा। इस पर कपिल ने कहा- यह अद्भुत है। जब कोई कुछ नया करने की कोशिश करता है, तो यह हमेशा अद्भुत होता है। दिग्गजों को मैदान पर वापस आते और खेलते देखना अद्भुत होता है। उनकी प्रशंसा करने वाले प्रशंसक उन्हें एक बार फिर देख सकते हैं। लीग 17 सितंबर से शुरू होकर 8 अक्टूबर 2022 तक चलेगी। 6 शहरों में 22 दिनों में 15 मैच खेले जाएंगे। कपिल देव ने सौरव गांगुली और इंग्लैंड के पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान इयोन मोर्गन के नेतृत्व में भारतीय महाराजा और वर्ल्ड जायंट्स के बीच विशेष मैच के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा- लीजेंड्स लीग क्रिकेट और खुशी फाउंडेशन लड़कियों की शिक्षा के लिए एक साथ आए हैं, क्योंकि 10 देशों के महान क्रिकेट खिलाड़ी भारत के महाराजाओं और वर्ल्ड जायंट्स के बीच एक विशेष मैच खेलेंगे।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में इस नेक काम के लिए 16 सितंबर को फंड जुटाया जाएगा।

कपिल ने कहा- यह मेरा (संगठन) नहीं है। यह हमारा है। वहां बहुत सारे लोग काम करते हैं। कभी-कभी लोग कहते हैं कि मैंने विश्व कप जीता। लेकिन मैं यह कहता हूं कि यह मैंने नहीं जीता, हम सभी ने इसे जीता था। यह अच्छा है कि हम किसी के लिए काम कर सकते हैं और एक नेत्रहीन बच्चे, बालिका को सुखी जीवन देने के लिए एक रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह महत्वपूर्ण है। इससे मुझे खुशी होती है।

ये हैं इस मैच के लिए टीमें

भारतीय महाराजा = सौरव गांगुली (कप्तान), वीरेंद्र सहवाग, मोहम्मद कैफ, यूसुफ पठान, सुब्रमण्यम बद्रीनाथ, इरफान पठान, पार्थिव पटेल (विकेटकीपर), स्टुअर्ट बिन्नी, एस श्रीसंत, हरभजन सिंह, नमन ओझा (विकेटकीपर), अशोक डिंडा, प्रज्ञान ओझा, अजय जडेजा, आरपी सिंह, जोगिंदर शर्मा और रितिंदर सिंह सोढ़ी।

वर्ल्ड जायंट्स = इयोन मॉर्गन (कप्तान), लेंडल सिमंस, हर्शल गिब्स, जैक्स कैलिस, सनथ जयसूर्या, मैट प्रायर (विकेटकीपर), नाथन मैकुलम, जोंटी रोड्स, मुथैया मुरलीधरन, डेल स्टेन, हैमिल्टन मसाकाद्ज़ा, मशरफे मुर्तजा, असगर अफगान, मिशेल जॉनसन, ब्रेट ली, केविन ओ ब्रायन और दिनेश रामदीन (विकेटकीपर)।

न्यूजीलैंड के बड़े खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर कॉलिन डी ग्रैंडहोम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। डी ग्रैंडहोम ने इस सप्ताह अपने फैसले को लेकर न्यूजीलैंड क्रिकेट से बातचीत की थी जो उन्हें केंद्रीय अनुबंध से मुक्त करने पर तैयार हो गया था।

जिम्बाब्वे में जन्मे डी ग्रैंडहोम ने कहा कि इस फैसले के पीछे उनकी चोट और तीनों प्रारूपों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के अलावा कई अन्य कारण हैं। डी ग्रैंडहोम ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के यहां जारी बयान में कहा, 'मैं यह स्वीकार करता हूं कि मैं अब युवा नहीं होने जा रहा हूं और विशेषकर चोटों के कारण अभ्यास करना मुश्किल होता जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'मेरे बच्चे बड़े हो रहे हैं और मैं क्रिकेट के बाद के अपने भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहा हूं। पिछले कुछ सप्ताहों से यह सब बातें मेरे दिमाग में चल रही थी।' डी ग्रैंडहोम ने कहा, 'मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे 2012 में पदार्पण करने के बाद न्यूजीलैंड की तरफ से खेलने का मौका मिला। मुझे अपने अंतरराष्ट्रीय करियर पर गर्व है लेकिन मुझे लगता है कि यह संन्यास लेने का सही समय है।' डी ग्रैंडहोम ने न्यूजीलैंड की तरफ से 29 टेस्ट मैच खेले जिसमें उन्होंने 38.70 की औसत से 1432 रन बनाए। इसमें वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगाए गए शतक भी शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 32.95 की औसत से 49 विकेट भी लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 41 रन देकर छह विकेट था जो उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ किया था। उन्होंने 45 वनडे मैचों में 742 रन बनाए और 30 विकेट लिए। डी ग्रैंडहोम न्यूजीलैंड की उस टीम का हिस्सा थे जो 2019 में आईसीसी वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी। इस ऑलराउंडर ने 41 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच भी खेले जिनमें उन्होंने 505 रन बनाए और 12 विकेट हासिल किए।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने दी मिखाइल गोर्बाचेव को श्रद्धांजलि

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्व सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि उल्लेखनीय दृष्टि वाले व्यक्ति के रूप में मैं उनकी प्रशंसा करता हूं। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी बयान में बाइडन ने कहा कि गोर्बाचेव ने दशकों के क्रूर राजनीतिक दमन के बाद सोवियत संघ में लोकतांत्रिक सुधार लाने के लिए काम किया था। बाइडन ने कहा- 'ये एक दुर्लभ नेता के कार्य थे-एक कल्पना के साथ कि एक अलग भविष्य संभव था और इसे प्राप्त करने के लिए अपने पूरे करियर को जोखिम में डालने का साहस।

परिणाम एक सुरक्षित दुनिया और लाखों लोगों के लिए अधिक स्वतंत्रता थी।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि गोर्बाचेव 'ग्लासनोस्ट' (खुलेपन) और 'पेरेस्त्रोइका' (पुनर्गठन) में विश्वास करते थे, यह न केवल नारे के रूप में था, बल्कि सोवियत संघ के लोगों के लिए इतने वर्षों के अलगाव और अभाव के बाद आगे बढ़ने के तरीके के रूप में भी देखने को मिला।

बाइडन ने कहा-' उन्होंने परमाणु शस्त्रागार को कम करने के लिए राष्ट्रपति (रोनाल्ड) रीगन के साथ काम किया, ताकि दुनिया भर में परमाणु हथियारों की दौड़ को समाप्त करने के लिए प्रार्थना कर रहे लोगों की राहत मिल सके।'

चीनी ड्रोन पर पहली बार ताइवानी सेना ने की फायरिंग

ताइपे। ताइवान सीमा में लगातार चीनी ड्रोन की घुसपैठ पर चेतावनी देने के एक दिन बाद ताइवानी सेना ने चीन के ड्रोन पर पहली बार फायरिंग कर दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि मंगलवार को लगभग 5:59 बजे एक ड्रोन एक बार फिर एर्दन द्वीप पर प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने पर रक्षा बलों ने प्रोटोकॉल के अनुसार चेतावनी जारी की लेकिन इसके बाद भी ड्रोन क्षेत्र पर मंडराता रहा, ताइवान के रक्षा बलों ने गोलियां चलाईं और उसे वापस जाने के लिए मजबूर कर दिया। ड्रोन ने शाम लगभग 6 बजे ज़ियामेन की ओर उड़ान भरी।

ताजा घटना विशेष रूप से यूएस हाउस की स्पीकर नैंसी पेलोसी की यात्रा के बाद चीन और ताइवान के बीच बढ़ते तनाव के माहौल की पृष्ठभूमि में आई है। इसमें कहा गया है कि किनमेन रक्षा बल हाई अलर्ट पर रहेंगे और अपनी निगरानी बढ़ाएंगे। एर्डन द्वीप किनमेन द्वीपसमूह का हिस्सा है। जियामेन शहर फुजियान के तटीय चीनी प्रांत में स्थित है। ताइपे में रक्षा मंत्रालय ने पहले घोषणा की थी कि ताइवान की सेना अपने बाहरी द्वीपों के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले चीनी ड्रोन पर गोलीबारी शुरू कर देगी, जबकि रेडियो फ्री एशिया (आरएफए) की सूचना दी कि व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका ताइवान स्ट्रेट में चीन द्वारा लगाए गए किसी भी 'नए प्रतिबंध' को स्वीकार नहीं करेगा।

यूक्रेन हुआ हमलावर, रूसी सैनिकों से कहा- जान बचाने को दक्षिणी क्षेत्र से भाग जाएं

कीव। यूक्रेन पर रूस के हमले के कई महीने के बाद युद्ध के हालात बदलते लग रहे हैं।

युद्ध की विभिषका से जूझ रहा यूक्रेन अब रूस को आंखे दिखाने लगा है। ताजा घटनाक्रम में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूसी सैनिकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उन्हें जान प्यारी है तो दक्षिणी यूक्रेन से भाग जाएं क्योंकि कीव सेना ने इसे फिर से हासिल करने लिए हमले तेज कर दिए हैं। वहीं, रूस ने कहा है कि वह इन हमलों का जवाब दे रहा है, इसमें कीव के बहुत से सैनिक मारे गए हैं। यूक्रेन ने कहा कि उसकी थल सेना ने लंबे समय बाद दक्षिण में रूसी आपूर्ति लाइन पर पहली बार आक्रमण किया है, विशेष रूप से रणनीतिक रूप से अहम निप्रो नदी के पार गोलाबारी की है।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस की सेना के लिए यह अच्छा मौका है कि वह लौट जाए। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना अपने शहरों को फिर से हथिया रही है। यूक्रेनी राष्ट्रपति के वरिष्ठ सलाहकार ओलेक्सिय एरिस्टाविच ने कहा कि खेरासान क्षेत्र में रूसी डिफेंस ने कुछ घंटों में तोड़ दिया। खार्कीव में रूस की भारी गोलाबारी में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है और सात घायल हो गए हैं। वहीं, रूस ने नागरिकों पर हमले से इनकार किया है।

चिनूक हेलिकॉप्टरों में आग का अंदेशा, अमेरिकी सेना ने रोकी उड़ानें, भारत ने मांगी रिपोर्ट

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने अपने सारे चिनूक हेलिकॉप्टरों की उड़ानों पर पाबंदी लगा दी है। इनके इंजन में आग लगने के अंदेशे को देखते हुए यह फैसला किया गया है। इधर, भारत में इन CH-47 हेलिकॉप्टरों का वायुसेना अब भी इस्तेमाल कर रही है। अमेरिका में पाबंदी को लेकर वायुसेना ने विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। अमेरिकी वायुसेना के फैसले के बाद भारतीय अधिकारियों ने कहा कि मामले की पड़ताल की जा रही है। अमेरिकी सेना के आदेश की जानकारी वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अधिकारियों के हवाले से दी है।रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी सेना की मटेरियल कमांड ने 70 से अधिक हेलीकॉप्टरों का निरीक्षण करते हुए इसके बेड़े की उड़ानें रोकने का फैसला किया।

सेना के अधिकारियों ने कहा

कि इन हेलिकॉप्टरों के इंजन में आग लगने के बारे में पता चला है। हालांकि इन घटनाओं में कोई घायल नहीं हुआ और न ही किसी की मौत हुई। ये हेलिकॉप्टर आमतौर पर सैन्य साजो सामान की ढुलाई व राहत व बचाव कार्यों में इस्तेमाल किए जाते हैं। चिनूक हेलीकॉप्टरों की ग्राउंडिंग अमेरिकी सैनिकों के लिए परिवहन संबंधी चुनौतियां पैदा कर सकती है। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उड़ानें रोकने का आदेश कितने समय तक लागू रहता है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि ग्राउंडिंग का आदेश लागू हो गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी सेना के बेड़े में लगभग 400 हेलीकॉप्टर हैं। अमेरिकी सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि सैनिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे विमान या हेलिकॉप्टर सुरक्षित और उड़ने लायक बने रहें।

छह दशकों से है सेना का मददगार

चिनूक सेना के लिए जबर्दस्त उपयोगी हेलिकॉप्टर है। इसका उपयोग नियमित और विशेष मौकों पर सेना द्वारा किया जाता है। यह चार दर्जन से ज्यादा सैनिकों या कार्गो ले जा सकता है। बीते छह दशकों से यह सेना का बड़ा मददगार बना हुआ है। इसका निर्माण एयरोस्पेस कंपनी बोइंग ने किया है।

भारत-फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी पर मंथन, सुरक्षा परिषद के एजेंडे पर भी बात

वाशिंगटन। भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी और मजबूत करने पर पेरिस में मंथन हुआ। दोनों देशों ने इसमें परस्पर हित के अनेक खास मुद्दों के साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे पर विस्तार से बातचीत की। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि दोनों पक्षों ने आतंकवाद, संयुक्त राष्ट्र शांति सेना और परस्पर हित के मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र में अपने सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई। आगामी सितंबर और दिसंबर में क्रमशः फ्रांस और भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेंगे। इसे लेकर भी दोनों देशों के नेताओं व अधिकारियों ने एक दूसरे को जानकारी दी। उन्होंने अगले माह संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77 वें सत्र के दौरान सप्ताहभर चलने वाली उच्च स्तरीय गतिविधियों पर गहन विचार विमर्श किया।

पाबंदी के बावजूद भगोड़ा घोषित नवाज शरीफ ने टीवी पर दिया भाषण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के टेलीविजन पर भाषण देने को लेकर पाकिस्तान की राजनीति गर्मा गयी है। दरअसल, इस्लामाबाद हाई कोर्ट द्वारा भगोड़ा घोषित किये जाने के बाद उन पर टेलीविजन पर भाषण देने पर पाबंदी थी। इसके बावजूद वे तीन साल बाद टेलीविजन पर भाषण देते नजर आए।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री 72 वर्षीय नवाज शरीफ 2019 में इलाज के लिए विदेश गए और तब से पाकिस्तान नहीं लौटे हैं। वे अभी ब्रिटेन में रह रहे हैं। पिछले साल 24 जून को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार से संबंधित मामलों में अदालत में पेश नहीं होने पर नवाज शरीफ को भगोड़ा घोषित कर दिया था। इससे पहले नवाज शरीफ को भ्रष्टाचार के दो मामलों में 10 साल और 7 साल की सजा सुनाई गई थी। दोषी व भगोड़ा घोषित किए जाने के कारण पाकिस्तान के

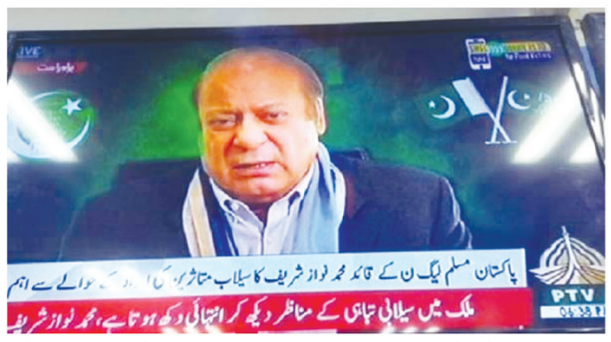

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण ने उन पर प्रसारण पाबंदियां लगा दी थीं।

इन पाबंदियों के बावजूद पाकिस्तान के टेलीविजन पर नवाज शरीफ का भाषण प्रसारित हुआ। ब्रिटेन से उनके भाषण को पाकिस्तान के सरकारी टेलीविजन नेटवर्क पी टीवी पर लाइव प्रसारित किया गया। पी टीवी के अलावा पाकिस्तान के कई अन्य चैनलों पर भी नवाज शरीफ का भाषण प्रसारित हुआ। इसमें नवाज शरीफ ने पाकिस्तान के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए एक भावुक अपील की। बाढ़ ने पूरे पाकिस्तान पर कहर बरपाया है। शरीफ ने टीवी भाषण में लोगों से जरूरतमंदों की मदद करने का आग्रह किया। पाबंदी के बावजूद नवाज शरीफ के भाषण के प्रसारण को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसे न्यायालय की अवमानना करार दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि नवाज शरीफ के छोटे भाई शहबाज शरीफ इस समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री हैं, इसलिए सत्ता का दुरुपयोग कर नवाज शरीफ के भाषण का टेलीविजन पर प्रसारण हुआ।

भारत ने कहा- अफगानिस्तान में बढ़ी आईएस-के की मौजूदगी, लश्कर-जैश जैसे संगठन क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा है कि अफगानिस्तान में आईएसआईएल-के की मौजूदगी काफी बढ़ गई है। भारत ने आगाह किया कि पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे प्रतिबंधित गुटों के बीच संबंध व अन्य आतंकी संगठनों के भड़काऊ बयान क्षेत्र की शांति एवं स्थिरता के लिए खतरा हैं। बता दें, इस माह सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता चीन कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि जैसा कि हमने सुरक्षा परिषद में बार-बार कहा है, एक निकटवर्ती पड़ोसी और लंबे समय से हमारे साझेदार होने से अफगानिस्तानियों के साथ हमारे मजबूत ऐतिहासिक संबंधों के तहत अफगानिस्तान में शांति-स्थिरता की वापसी से भारत के सीधे हित जुड़े हैं। रूस के अनुरोध पर अफगानिस्तान को लेकर बुलाई गई सुरक्षा परिषद की बैठक में कंबोज ने जोर दिया कि आतंकवाद पर 1988 प्रतिबंध समिति की 'एनालिटिकल सपोर्ट एंड द सैंक्शन्स मॉनिटरिंग टीम' की रिपोर्ट के हालिया निष्कर्ष बताते हैं कि अफगानिस्तान में

मौजूदा अधिकारियों को अपनी आतंक रोधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए और अधिक कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है।

गुरुद्वारे पर हमला बेहद चिंताजनक

भारत की यूएन में स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि अफगानिस्तान में आईएसआईएल-के (इस्लामिक स्टेट-खुरासान) की मौजूदगी और हमले करने की उनकी ताकत में काफी वृद्धि हुई है। यह गुट अन्य देशों के लिए भी आतंकी खतरा पैदा करता है। कंबोज ने 18 जून को काबुल में गुरुद्वारे पर हमला और उसी गुरुद्वारे के पास 27 जुलाई को एक और बम धमाका होने को बेहद चिंताजनक बताया।

समावेशी सरकार की मांग दोहराई

कंबोज ने यह सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया कि ऐसे प्रतिबंधित आतंकियों, गुटों या उनसे संबद्ध अन्य लोगों व संस्थाओं को अफगानिस्तान की धरती पर या क्षेत्र के अन्य आतंकी संगठनों से कोई समर्थन ना मिले। उन्होंने कहा, भारत ने हमेशा अफगानिस्तान में एक समावेशी सरकार की मांग की है, जिसमें समाज के सभी वर्गों की भागीदारी हो।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि जैसा कि हमने सुरक्षा परिषद में बार-बार कहा है, एक निकटवर्ती पड़ोसी और लंबे समय से हमारे साझेदार होने से अफगानिस्तानियों के साथ हमारे मजबूत ऐतिहासिक संबंधों के तहत अफगानिस्तान में शांति-स्थिरता की वापसी से भारत के सीधे हित जुड़े हैं।

प्रमुख नेताओं ने दी मिखाइल गोर्बाचेव को श्रद्धांजलि

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोवियत संघ के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। गोर्बाचेव के निधन के बाद दुनिया भर में उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुटेरेस ने कहा उन्होंने 'इतिहास की धारा बदल दी।' संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने ट्विटर पर दी गई श्रद्धांजलि में लिखा- मिखाइल गोर्बाचेव खास तरह के राजनेता थे। दुनिया ने एक महान वैश्विक नेता, बहुपक्षवाद और शांति के बड़े पैरोकार को आज खो दिया। यूरोपीय संघ प्रमुख उर्सुला वॉन देर लेयेन ने भी गोर्बाचेव को एक भरोसेमंद और सम्मानित नेता बताया है, जिन्होंने मुक्त यूरोप का रास्ता खोला था। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि वो गोर्बाचेव के साहस और ईमानदारी के कायल हैं। उन्होंने कहा- यूक्रेन में पुतिन की आक्रामकता के समय में, सोवियत समाज के प्रति गोर्बाचेव की प्रतिबद्धता हम सबके लिए उदाहरण है। सोवियत संघ के पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव का अंतिम संस्कार मॉस्को में होगा। रूस की समाचार एजेंसी तास के अनुसार उन्हें नोवोदिवेची सेमेट्री में उनकी पत्नी रइसा की कब्र के पास ही दफन किया जाएगा। रइसा का 1999 में ल्यूकेमिया से निधन हो गया था। रूस के कई बड़े नेताओं की कब्रें नोवोदिवेची सेमेट्री में हैं। मिखाइल गोर्बाचेव 1985 में सोवियत संघ के राष्ट्रपति चुने गए थे। इसके बाद उन्होंने देश के दरवाजे दुनिया के लिए खोले और बड़े स्तर पर कई सुधार किए।

रूस और भारत के संयुक्त सैन्य अभ्यास को अमेरिका ने बताया चिंताजनक

वाशिंगटन। गुरुवार से प्रस्तावित रूस और भारत के संयुक्त सैन्य अभ्यास वोस्तोक-2022 को अमेरिका ने चिंताजनक करार दिया है। सात दिन तक चलने वाले इस संयुक्त सैन्य अभ्यास में रूस के साथ भारत और चीन सहित कई देशों के पचास हजार से अधिक सैनिक भाग ले रहे हैं।

रूस ने भारत के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास की घोषणा की है। जिसके बाद से ही अमेरिका की नकारात्मक प्रतिक्रिया सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जीन पियरे ने कहा है कि यूक्रेन के साथ अकारण और बर्बर युद्ध छेड़ने वाले रूस के साथ किसी भी अन्य देश का सैन्य अभ्यास करना चिंताजनक है। इस मसले पर अमेरिका द्वारा भारत पर कोई दबाव न डाले जाने के बारे में पूछे जाने पर पियरे ने कहा कि सैन्य अभ्यास में भाग लेने वाले हर देश को स्वयं निर्णय लेना होता है। ऐसे में रूस के साथ भारत के सैन्य अभ्यास करने का फैसला भी अमेरिका ने भारत पर ही छोड़ दिया है। रूस के साथ सैन्य अभ्यास में भाग लेने वाले देशों पर कार्रवाई के बारे में पूछने पर

उन्होंने साफ कहा कि उनके पास इस बारे में बताने के लिए कुछ नहीं है।

इस बीच रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एक से सात सितंबर तक चलने वाले सैन्य अभ्यास वोस्तोक-2022 में भारत, चीन, लाओ, मंगोलियटा, निकारागुआ, सीरिया सहित कई देशों के 50 हजार से अधिक सैनिक हिस्सा लेंगे। यह अभ्यास सभी सहभागी देशों की सेनाओं को रक्षात्मक और आक्रामक अभियानों के गुर सीखने का अवसर प्रदान करेगा। यह सैन्य अभ्यास सात अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होंगे। इस दौरान युद्ध से जुड़े पांच हजार से अधिक सैन्य उपकरणों, 140 विमानों, 60 युद्धपोतों एवं अन्य जहाजों का इस्तेमाल किया जाएगा।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

गोबार्चेवः आधुनिक रूस के मसीहा या सोवियत संघ की टूट के जिम्मेदार!

मॉस्को। रूस सहित 15 देशों में टूटने से पहले सोवियत संघ के राष्ट्रपति रहे मिखाइल सेर्गीविच गोबार्चेव के निधन से पूरी दुनिया के जेहन में एक बार फिर 1980 और 1990 के दशक की याद ताजा हो गयी है। चर्चा हो रही है कि नोबेल पुरस्कार विजेता गोबार्चेव को इतिहास आधुनिक रूस के मसीहा के रूप में याद करेगा या उन्हें सोवियत संघ की टूट का जिम्मेदार मानकर याद किया जाएगा।

क्रूर स्टालिन ने कैद किए थे दादा-नाना

मिखाइल गोबार्चेव का जन्म 02 मार्च 1931 को रूस के एक गांव में हुआ था। वे अपने साथ स्टालिन की क्रूरता का इतिहास भी सहेजे थे। दरअसल सत्ता में आने के लिए क्रूर हुए स्टालिन ने भारी संख्या में लोगों को जेल भेजा था। इस दौरान मिखाइल गोबार्चेव के दादा एवं नाना, दोनों को कैद कर लिया गया था। संघर्षों से जूझते मिखाइल ने अपने खेतों में फसल काटने का काम किया तो अपनी मेहनत के बल पर उन्हें मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी में कानून की पढ़ाई का मौका भी मिला।

कम्युनिस्ट पार्टी केंद्रीय कमेटी के युवा सदस्य

विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई के दौरान वे कम्युनिस्ट पार्टी के संपर्क में आए और उन्हें पहली बार छोटा लाल पहचान पत्र मिला। 1960 के दशक में गोबार्चेव ने पार्टी के भीतर पहचान बनाने के साथ शक्तिशाली नेता बनने की शुरूआत कर दी थी। 1971 में वे कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय कमेटी के सबसे युवा सदस्य बने थे। इसके बाद उन्होंने मॉस्को में रहने का फैसला लिया और 1978 में पत्नी राइसा के साथ वे मॉस्को पहुंच गए।

1985 में बने सोवियत संघ के राष्ट्रपति

कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय कमेटी में पहुंचने के बाद गोबार्चेव ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे 1985 में सोवियत संघ के राष्ट्रपति बने। वे अपनी नीतियों को सोवियत संघ के संस्थापक व्लादिमीर लेनिन के सिद्धांतों की वापसी और खराब अर्थव्यवस्था को मानवीय तरीके से सुधारने का कदम मानते थे। उन्होंने 1986 में सबसे पहले पेरेस्त्रोइका शब्द दिया। ये शब्द रूस के भीतर सुधार से जुड़े आंदोलन के लिए दिया गया था। इसका लक्ष्य कई मंत्रालयों से हटकर बाजार को स्वतंत्र करने की शुरूआत करना था।

सरकारी नियंत्रण से मुक्ति की खोली राह

गोबार्चेव ने जब सोवियत संघ की सत्ता संभाली तो वहां हर चीज पर सरकार का नियंत्रण होता था। ऐसे में लोगों के पास ज्यादा विकल्प ही नहीं थे। गोबार्चेव ने राष्ट्रपति के रूप में जब कई देशों की यात्रा देखी तो उन्हें खुली अर्थव्यवस्था के लाभ समझ में आए। वहां लोगों के पास अधिक विकल्प थे, जिसे सोवियत संघ में पूंजीवादी व्यवस्था कहा जाता था। गोबार्चेव ने 1986 में अर्थव्यवस्था में सुधारों का ऐलान कर छोटे व्यवसायों की अनुमति दी और मीडिया पर भी सेंसरशिप कम की।

महंगी की शराब, जन्म दर में हुई वृद्धि

सोवियत संघ का राष्ट्रपति बनने के बाद गोबार्चेव ने जो सबसे पहला फैसला लिया, उससे सभी चौंके थे। उन्होंने सोवियत संघ में शराब की कीमतें बढ़ाई थीं। इस एक फैसले ने उनकी लोकप्रियता कम की थी, किन्तु शराब विरोधी अभियान से देश के जन्म दर में वृद्धि हुई थीं। वैसे गोबार्चेव की आर्थिक नीतियां तात्कालिक अनुमान के हिसाब से सकारात्मक साबित नहीं हुईं। सरकारी दुकानें बंद हो गयीं और खुले बाजार में चीजें महंगी होने लगीं। तेल की कीमतों में गिरावट ने भी अर्थव्यवस्था पर चोट की, जिसके कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में तनाव बढ़ा।

दुनिया को परमाणु युद्ध से बचाने वाले फैसले

मिखाइल गोबार्चेव को लोग भले ही सोवियत संघ के लिए बेहतर न मानते हों, किन्तु उन्होंने दुनिया को परमाणु युद्ध से बचाने वाले फैसले लिए। उन्होंने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के साथ परमाणु हथियारों और मिसाइलों की संख्या कम करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण समझौते किये थे। 1988 में तो रोनाल्ड रीगन ने एक भाषण के दौरान यहां तक कह दिया था कि वह सोवियत संघ को एक दुष्ट साम्राज्य के रूप में नहीं देखते। 1990 में मिखाइल गोबार्चेव को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार को देने वाली समिति ने कहा था कि उनके शासनकाल में पूर्व और पश्चिम के बीच संबंधों में नाटकीय बदलाव हुए हैं।

...और 15 हिस्सों में टूट गया सोवियत संघ

मिखाइल गोबार्चेव के राज में ही सोवियत संघ के पहली बार लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव हुए। इन चुनावों में बड़ी संख्या में गैरकम्युनिस्ट जनप्रतिनिधि भी चुने गए। 1990 में गोबार्चेव सोवियत संघ के अंतिम नेता चुने गए।